E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

# आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष :11, अंक : 282 प्रयागराज,मंगलवार 17 फरवरी 2026 पृष्ठ : 8, मूल्य : 2:00 रुपये

सुबह 6:50 बजे

शाम 5:28 बजे

विन्ध्य क्षेत्रःहिमाचल में राज्यपाल और सरकार में... | विविधःविश्वप्रसिद्ध है तमिलनाडु के मंदिरों... | सिनेमाःइलियाना डिक्रूज ने किया अपने बच्चे के पिता...

## संक्षिप्त समाचार

### कारोबारी मर्डर केस में बड़ा एक्शन पुलिस मुठभेड़ के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के 5 सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तरी दिल्ली के बावना औद्योगिक क्षेत्र में हाल ही में हुए 35 वर्षीय व्यवसायी की हत्या के सिलसिले में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने आगे बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने दिन में कुछ संदिग्धों को रोका। चुनौती दिए जाने पर आरोपियों ने कथित तौर पर भागने के प्रयास में पुलिस टीम पर गोलीबारी की, जिसके जवाब में पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिससे संक्षिप्त मुठभेड़ हुई। गोलीबारी के दौरान, एक आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे काबू में कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि दो अन्य को बाद में गिरफ्तार किया गया, जिससे इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या पांच हो गई है। पुलिस ने यह भी बताया कि इस अभियान के दौरान उनके किसी भी जवान को गंभीर चोट नहीं आई।

### केरल चुनाव से पहले मणिशंकर अय्यर ने कराई कांग्रेस की किरकिरा विजयन को बताया अगला सीएम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने विश्वास जताया है कि पिनारयी विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब कांग्रेस पार्टी राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी है। अय्यर ने यह टिप्पणी रविवार को 'विजन 2031: विकास और लोकतंत्र' शीर्षक वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए की, जिसका उद्घाटन स्वयं मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने किया। अपने संबोधन में अय्यर ने विजयन की प्रशंसा की और सुझाव दिया कि पंचायती राज व्यवस्था में केरल की स्थिति को मजबूत करने के लिए संशोधन किए जाने चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी सुझाव दिए कि राज्य स्थानीय प्रशासन में अपनी अग्रणी भूमिका को कानूनी रूप से कैसे सुरक्षित कर सकता है।

### दोपहिया वाहन और पर्यटक बस की टक्कर, पांच लोगों की मौत मुख्यमंत्री स्टालिन ने शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। तमिलनाडु के वैप्पार-गांव में रविवार को एक दोपहिया वाहन के एक पर्यटक वाहन से टक्कर हो जाने के बाद दो बच्चों समेत कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि तमिलनाडु के थूथुकुडी में रविवार शाम को एक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। यह घटना विलाथिकुलम तालुक के वैप्पार-1 गांव में ईस्ट कोस्ट रोड के पास हुई, जहां पल्लकुलम गांव के रहने वाले 40 साल के गुरुसामी अपने रिश्तेदारों के साथ टू-व्हीलर पर जा रहे थे। जब वे पल्लकुलम की ओर बढ़ रहे थे, तो उनकी गाड़ी रामनाथपुरम जिले के सयालकुडी से थूथुकुडी की ओर जा रही एक टूरिस्ट वैन से आमने-सामने टकरा गई, जिससे एक गंभीर हादसा हो गया। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मृतकों के प्रति शोक व्यक्त किया और अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

# '...गोली चलाने वालों से सम्मान की उम्मीद मूर्खता' राज्यपाल के अपमान पर सपा पर बरसे सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राज्य के बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के संबोधन के दौरान हंगामा करने के लिए समाजवादी पार्टी की कड़ी आलोचना की। विधान परिषद को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य विपक्षी दल का व्यवहार न केवल राज्य के संवैधानिक प्रमुख का अपमान है, बल्कि महिलाओं की गरिमा का भी अपमान है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राज्यपाल का संबोधन एक ऐसा दस्तावेज है जो सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजना को रेखांकित करता है। उन्होंने आगे कहा कि इस संवैधानिक प्रक्रिया के दौरान मुख्य विपक्षी दल का आचरण अत्यंत निंदनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल राज्य के संवैधानिक प्रमुख हैं। विपक्षी दल का इस महत्वपूर्ण संवैधानिक पद के प्रति व्यवहार लोकतंत्र को कमजोर करता है... यह घोर अनादर की श्रेणी में आता है। विपक्ष की प्रकृति को देखते हुए, उनसे संवैधानिक प्रमुख का सम्मान करने की अपेक्षा करना मूर्खता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना और संवैधानिक प्रमुखों के प्रति आदर और सम्मान की भावना बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। हमें ऐसा कोई भी व्यवहार नहीं करना चाहिए जो देश की आने वाली पीढ़ियों को गलत दिशा में ले जाए... जब विपक्ष का ऐसा रवैया हो, तो उनसे ऐसे आचरण की अपेक्षा करना व्यर्थ है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने एक यात्रा शुरू की है... राष्ट्र और विश्व इस बात को स्वीकार करते हैं कि उत्तर प्रदेश में परिवर्तन आया है। दुर्भाग्य से, संकीर्ण एजेंडा चलाने वाली सरकारों ने राज्य के भविष्य और उसके लोगों से समझौता किया है। उन्होंने राज्य को अराजकता, अव्यवस्था और अपराध का गढ़ बना दिया है। दो इंजन वाली सरकार की स्पष्ट नीतियों, इरादों और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के कारण, हमने उत्तर प्रदेश को देश की अर्थव्यवस्था में एक बाधा से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि में बदल दिया है। उत्तर प्रदेश अब राजस्व घाटे से राजस्व अधिशेष की ओर बढ़ गया है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज राज्य में कानून का राज कायम है। राज्य में रिकॉर्ड संख्या में पुलिस भर्तियां हुईं। महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। युवाओं के लिए नई योजनाएं बनाई गईं। आधुनिक पुलिस व्यवस्था और मजबूत साइबर एवं फोरेंसिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए काम किया गया। शून्य सहिष्णुता की संस्कृति ने उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान दी है। राज्य में त्योहारों और मंदिरों से जुड़ी अर्थव्यवस्था फल-फूल रही है... माघ मेले के दौरान 21 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी नदी में स्नान किया... 2017 से उत्तर प्रदेश में कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी पर राष्ट्रीय नायकों और धार्मिक परंपराओं का कथित तौर पर अपमान करने का आरोप लगाते हुए उस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। सपा ने 'गाजी का मेला' का समर्थन किया।

## सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर कुलदीप सेंगर को राहत? 19 फरवरी को दिल्ली हाईकोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में हुई मौत से संबंधित मामले को मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के पास भेज दिया। यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में उच्च न्यायालय से उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को 'क्रम से हटकर' सुनवाई देने के अनुरोध के बाद हुआ है, जिन्होंने इस मामले में अपनी दोषसिद्धि और 10 साल की जेल की सजा को चुनौती दी है। इस मामले की सुनवाई 19 फरवरी को होनी है। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा के पूर्व नेता सेंगर की याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने उच्च न्यायालय के 19 जनवरी के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उनकी 10 साल की कारावास की सजा को निलंबित करने से इनकार कर दिया गया था। उनकी याचिका खारिज करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणी की कि यदि पीड़ित परिवार ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ कोई अपील दायर की है, तो उच्च न्यायालय को सेंगर की लंबित याचिका के साथ-साथ उस अपील पर भी विचार करना चाहिए। इस मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने की, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और एन वी अंजारी भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान, मुख्य न्यायाधीश ने पीड़ित के वकील द्वारा मीडिया में की गई टिप्पणियों पर भी चिंता व्यक्त की। पीठ ने न्यायिक विचाराधीन मामले के दौरान सार्वजनिक टिप्पणियां किए जाने पर अपनी नाराजगी जताई। पिछले साल 29 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें उन्नाव बलात्कार मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा को निलंबित कर दिया गया था। हाई कोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसी राहत नहीं दी जा सकती क्योंकि सेंगर को एक अन्य संबंधित मामले में भी दोषी ठहराया गया था और सजा सुनाई गई थी।

## नौकरी के लिए भूमि घोटाला: दिल्ली कोर्ट ने लालू यादव और राबड़ी देवी पर तय किए आरोप, अब चलेगा मुकदमा

नई दिल्ली। सोमवार को राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने ज़मीन के बदले नौकरी घोटाले के सीबीआई मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय किए। लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी अदालत में पेश हुए, आरोपों से इनकार किया और कहा कि वे मुकदमे का सामना करेंगे। यह मामला रेलवे ग्रुप डी की नौकरियां उम्मीदवारों को ज़मीन के बदले दिलाने के कथित अपराध से संबंधित है।

विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने इस मामले में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के खिलाफ आरोप तय किए। अदालत ने यह भी कहा कि आरोपियों को व्यक्तिगत रूप से पेश होना होगा, जब तक कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की अनुमति न दी जाए। मीसा भारती ने कहा कि उनकी उम्र और स्वास्थ्य को देखते हुए अदालत ने उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने के लिए कहा है। 9 जनवरी को राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने ज़मीन के बदले नौकरी घोटाले के मामले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव, मीसा भारती और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का निर्देश दिया था। आरोप तय करते समय, सीबीआई की विशेष अदालत ने टिप्पणी की थी, प्रथम दृष्टया, लालू प्रसाद यादव के मार्गदर्शन में सरकारी नौकरियों का इस्तेमाल करके अपने परिवार के सदस्यों के माध्यम से इच्छुक नौकरी चाहने वालों से अचल संपत्ति हासिल करने की साजिश रची गई थी। अदालत ने आगे कहा कि लालू प्रसाद यादव और उनका परिवार एक गिरोह की तरह काम कर रहे थे। अदालत ने मुख्य कार्मिक अधिकारियों (सीपीओ) और रेलवे अधिकारियों सहित 52 आरोपियों को बरी कर दिया। कार्यवाही के दौरान पांच आरोपियों की मृत्यु हो गई। सीबीआई ने 103 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। उन पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराधों के आरोप तय किए गए थे। विशेष न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि आर्द्रपत्र में नौकरी के बदले जमीन अधिग्रहण का स्पष्ट संकेत मिलता है। बहस के दौरान, लालू प्रसाद यादव का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने तर्क दिया कि जमीन के बदले नौकरी का मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे पता चले कि उम्मीदवारों को जमीन के बदले नौकरियां दी गईं। बिक्री विलेख हैं जो दर्शाते हैं कि जमीनें पैसे देकर खरीदी गईं।

### शिवाजी-टीपू सुल्तान तुलना पर पुणे में सियासी संग्राम!

मुम्बई। महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी पुणे रविवार को राजनीतिक अखाड़े में तब्दील हो गई। कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल द्वारा मैसूर के शासक टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से किए जाने के विरोध में भाजपा ने प्रदर्शन किया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। कांग्रेस भवन के पास हुए इस पथराव में पुलिसकर्मियों और मीडियाकर्मियों समेत कुल 9 लोग घायल हो गए हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त रंजन कुमार शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि पथराव में तीन कांग्रेस कार्यकर्ता, दो भाजपा कार्यकर्ता, दो पुलिसकर्मी और दो मीडियाकर्मी मामूली रूप से घायल हो गए। शर्मा ने बताया, 'कांग्रेस भवन के पास विरोध-प्रदर्शन हुआ। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। दोनों दलों के कार्यकर्ता दीवारों पर चढ़ गए और एक-दूसरे पर पथराव किया।

## मणिशंकर अय्यर का बड़ा दावा: एमके स्टालिन बनेंगे इंडिया गठबंधन के 'किंगमेकर', राहुल गांधी की राह होगी आसान

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने सोमवार को डीएमके प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को भारत गठबंधन को मजबूत करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्रीय विपक्ष के लिए मजबूत नेतृत्व और रणनीतिक समन्वय आवश्यक है। अय्यर का तर्क था कि स्टालिन नारे लगाने के बजाय महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने में बाधा नहीं बनेंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले एक साल में स्टालिन ने भारत में संघवाद से संबंधित हर मुद्दे को उठाया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी 'सूट-बूट की सरकार' नहीं कहा। उन्होंने कभी 'चौकीदार चोर है' नहीं कहा... उनमें यह खूबी है कि वे राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने में बाधा नहीं बनेंगे। इसके अलावा, अय्यर ने स्टालिन और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के. कामराज के बीच ऐतिहासिक तुलना करते हुए कहा कि जवाहरलाल नेहरू के बाद प्रधानमंत्री पद ठुकराने वाले कामराज को नेतृत्व में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा

से ऊपर एकता को प्राथमिकता देनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने संकेत दिया कि स्टालिन पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के. कामराज की तरह ही किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर इंडिया ब्लॉक को एकजुट करना है, तो मुझे लगता है कि इसे एकजुट करने के लिए एम.के. स्टालिन सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं। जब कामराज को जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत का प्रधानमंत्री बनने के लिए कहा गया, तो उन्होंने हर किसी से एक ही वाक्य कहा - न अंग्रेजी, न हिंदी। कैसे? तो, एमके स्टालिन भी उसी स्थिति में हैं। राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री बन सकते हैं, बशर्ते कोई ऐसा व्यक्ति हो जो अपना सारा समय इंडिया ब्लॉक को एकजुट करने में लगाए।

राष्ट्रीय विपक्षी गठबंधन को एकजुट करने के लिए स्टालिन का समर्थन करते हुए अय्यर ने अपनी ही पार्टी के नेतृत्व की आलोचना की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने अपनी पार्टी के प्रमुख नेताओं की भी जमकर आलोचना की और प्रवक्ता पवन खेड़ा के प्रति पूर्ण तिरस्कार व्यक्त किया। अय्यर ने कहा कि कोई पार्टी पवन खेड़ा को प्रवक्ता बनाकर कितनी मूर्ख हो सकती है। वो प्रवक्ता नहीं, तो सिर्फ एक तोता है। वो वही बोलता है जो जयराम रमेश उसे कहते हैं। उन्होंने एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल पर भी तीखा हमला करते हुए उन्हें 'गुंडा' कहा। अय्यर ने कहा कि क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि उस पार्टी की क्या हालत है जो केसी वेणुगोपाल जैसे गुंडे को राहुल गांधी के सरदार पटेल के स्तर तक पहुंचा देती है?

## असम कांग्रेस में सियासी ड्रामा, भूपेन बोरा के इस्तीफे पर सस्पेंस, मांगा और समय

नई दिल्ली। असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोराह ने सोमवार को कहा कि उन्होंने अपने इस्तीफे के फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए पार्टी हाई कमांड से और समय मांगा है। इसी बीच, असम इकाई के प्रमुख गौरव गोगोई ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भूपेन बोराह से बात की है और पार्टी हाई कमांड ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। इससे पहले दिन में, उन्होंने पार्टी से अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने अपना इस्तीफा कांग्रेस हाई कमांड को भेज दिया है, लेकिन उन्होंने तुरंत इसके कारणों का खुलासा नहीं किया।असम के कांग्रेस प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा कि मैं भूपेन बोराह को अपना इस्तीफा वापस लेने के लिए धन्यवाद देता हूं... वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेन बोराह कांग्रेस परिवार के एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजा था। कभी-कभी कांग्रेस परिवार में मतभेद हो जाते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। राहुल गांधी समेत पार्टी नेतृत्व ने उनसे लंबी बातचीत की। हमने बातचीत के जरिए इस मामले को सुलझा लिया है। वे पिछले 30 सालों से कांग्रेस में थे। गौरव गोगोई ने कहा कि भूपेन कुमार बोराह हमारी संपत्ति हैं। वे बुराई के खिलाफ लड़ रहे हैं। हमने पिछले तीन घंटों से भूपेन कुमार बोराह से बातचीत की। वे कांग्रेस के एक सशक्त नेता हैं। अगर कोई गलती हुई हो, तो एक भाई होने के नाते मैं उनसे माफी मांगता हूं। राहुल गांधी ने भी भूपेन कुमार बोराह से बात की। वहीं, दूसरी ओर बोराह ने कहा कि जब उन्हें आवश्यक लगेगा तब वे विस्तृत जानकारी देंगे। बोराह ने पत्रकारों से कहा कि मुझे अपने इस्तीफे के कारणों पर बोलने की आवश्यकता नहीं लगती। मैंने निश्चित रूप से इस्तीफा दे दिया है और अपना इस्तीफा उच्च कमान को भेज दिया है... जब भी मुझे आवश्यक लगेगा, मैं आपको फोन करूंगा और विस्तार से बात करूंगा।

### अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने श्री रणकेश्वर महादेव मंदिर में माथा टेका

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा- यह त्योहार भगवान शिव और माता पार्वती के ब्रह्म मिलाप की याद दिलाता है और आध्यात्मिक जागृति तथा स्वयं-अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्री रणकेशवर महादेव पर वार्षिक उत्सव इसे भूले हुए स्मारक की बजाय एक जीवंत विरासती स्थान के रूप में सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। महाशिवरात्रि के पवित्र मौके पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कन्वीनर अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सम्मानित श्री रणकेश्वर महादेव मंदिर में माथा टेका और ऐतिहासिक सिद्ध पीठ में पूजा की तथा पंजाब व देश की शांति, खुशहाली और निरंतर तरक्की के लिए आशीर्वाद मांगा। त्यौहार पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए 'आप' प्रमुख ने महाशिवरात्रि को भारत की प्राचीन आध्यात्मिक परंपरा वाला त्योहार बताया और प्रार्थना की कि भगवान भोले नाथ की कृपा हमेशा हरेक नागरिक पर बनी रहे।

## राजपाल यादव को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली बेल, तिहाड़ जेल से आएंगे बाहर

नई दिल्ली। राजपाल यादव को दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार, 16 फरवरी को 2018 के चेक बाउंस केस में बेल दे दी। कोर्ट से किए गए पेमेंट के वादे पूरे न कर पाने के बाद, एक्टर को फरवरी के पहले हफ्ते में तिहाड़ जेल में सरेंडर करने के लिए कहा गया था। पिछले हफ्ते, दिल्ली हाई कोर्ट ने उनकी बेल एप्लीकेशन टाल दी थी। हालांकि, अब उन्हें आखिरकार इस केस में राहत मिल गई है। फिल्मी हस्तियों और दूसरों के फाइनेंशियल मदद के लिए आगे आने के कुछ दिनों बाद, राजपाल को बेल मिल गई, जिसका मतलब है कि एक्टर जेल से रिहा हो जाएंगे। राजपाल यादव 18 मार्च तक तिहाड़ जेल से बाहर रहेंगे, जब कोर्ट उनके केस की अगली सुनवाई करेगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने यह आदेश तब दिया जब उन्होंने अपने लंबे समय से चल रहे चेक-बाउंस केस में शिकायत करने वाले को 1.5 करोड़ रुपये का पेमेंट किया। यह पेमेंट उनकी कुछ समय के लिए रिहाई के लिए एक अहम शर्त थी। कोर्ट ने यह

भी कहा कि 19 फरवरी को राजपाल यादव की भतीजी की शादी थी, इसलिए उन्हें राहत दी गई, जिससे मामला कोर्ट में वापस आने से पहले उन्हें परिवार के कार्यक्रम में शामिल होने का समय मिल गया। इससे पहले, राजपाल यादव को बार-बार डिफॉल्टर होने के कारण सरेंडर करने के लिए कहा गया था। उन्होंने एक समझौते के तहत शिकायतकर्ता, मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को पेमेंट करने का वादा किया था। हालांकि, यह पूरा नहीं किया गया। कई चेतावनियों के बाद, दिल्ली हाई कोर्ट ने 2 फरवरी को उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की। पिछले हफ्ते, बेल प्लीज पर सुनवाई करते हुए, जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि राजपाल यादव सिर्फ इसलिए जेल नहीं गए क्योंकि कोर्ट ने एक आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि उन्हें इसलिए जेल में डाला गया क्योंकि वह उस समझौते का पालन करने में नाकाम रहे जिस पर वह सहमत हुए थे। एक्टर और समाजसेवी सोनू सूद यादव के लिए अपना समर्थन देने वाले पहले सेलिब्रिटी बने। उन्होंने एक्टर को अपने अगले प्रोजेक्ट में शामिल करके मदद की पेशकश की और एक्टर्स, फिल्ममेकर्स और प्रोड्यूसर्स से 'गिफ्टेड एक्टर' को उनके काम के लिए एडवांस पेमेंट देने का भी आग्रह किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान, अजय देवगन और वरुण धवन उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने इस मुश्किल समय में फाइनेंशियल मदद की है। गुरमीत चौधरी, एल्विश यादव, गुरु रंधावा,केआरके राव इंद्रजीत यादव और दूसरों ने भी एक्टर की मदद के लिए फाइनेंशियल मदद दी है।

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज जैसी इंडस्ट्री बॉडीज़ ने पब्लिकली पूरी फिल्म और टीवी कम्युनिटी से राजपाल यादव को मोरल और फाइनेंशियल मदद देने की अपील की। दिल्ली हाई कोर्ट ने चेक बाउंस केस में एक्टर राजपाल यादव की सज़ा पर कुछ समय के लिए रोक लगा दी है। वह 18 मार्च तक कस्टडी से बाहर रहेंगे, जब कोर्ट इस मामले की फिर से सुनवाई करेगा। यादव ने लगभग ?9 करोड़ के चेक डिसऑनर केस में 5 फरवरी को सरेंडर किया था। इससे पहले, टॉप कोर्ट ने बॉलीवुड एक्टर की ज़मानत की सुनवाई आज, सोमवार तक के लिए टाल दी थी।

## राजनाथ सिंह ने सेट किया नया लक्ष्य, बोले-5 साल में चाहिए 'भारत में किए गए' एयरो इंजन

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई) को विश्व के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक बताते हुए वैज्ञानिकों से दशकों से चल रहे एयरो इंजन विकास कार्य को अगले पांच वर्षों में पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में तेजी से महारत हासिल करने पर निर्भर करती है। बेंगलुरु स्थित गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान में बोलते हुए सिंह ने कहा कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अधीन कार्यरत यह प्रतिष्ठान भारत की रणनीतिक क्षमता का आधार बन गया है। उन्होंने इसके वैज्ञानिकों को लगातार सफल परीक्षण करने और देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने का श्रेय दिया। राजनाथ ने कहा और आगे कहा कि डीआरडीओ का वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिन-प्रतिदिन भारत की रणनीतिक शक्ति को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ प्रतिदिन एक के बाद एक सफल परीक्षण करता रहता है। हमें प्रतिदिन डीआरडीओ की उपलब्धियों के बारे में सुनने को मिलता रहता है। एक परीक्षण की चर्चा समाप्त होते ही दूसरी उपलब्धि की खबर आ जाती है। दूसरे शब्दों में, डीआरडीओ आज भारत की रणनीतिक क्षमता का आधार बन गया है। एयरो इंजन में स्वदेशी क्षमता की आवश्यकता पर जोर देते हुए सिंह ने कहा कि जहां एक इंजन विकसित करने में आमतौर पर 20-25 साल लगते हैं, वहीं भारत को अब पांच साल में वह हासिल करना होगा जिसे अन्य देशों को हासिल करने में दशकों लग गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक इंजन विकसित करने में 25 साल लगते हैं, तो भारत की वर्तमान स्थिति, हमारी रणनीतिक आवश्यकताओं और हमारी महत्वाकांक्षाओं को देखते हुए, आपको यह मान लेना चाहिए कि आपके 20 साल पहले ही बीत चुके हैं और अब आपके पास केवल 5 साल बचे हैं। यह कोई चौंकाने वाली या आश्चर्य की बात नहीं है; यह एक चुनौती है।

# मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा एवं साइबर सतर्कता अभियान सफलतापूर्वक सम्पन्न

**आधुनिक समाचार**
**चिन्ता पान्डेय**

जनपद सोनभद्र में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से मिशन शक्ति 5.0 के तहत व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य फोकस महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, विधिक अधिकारों की जानकारी एवं साइबर अपराधों से बचाव रहा।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी (सहायक नोडल अधिकारी, मिशन शक्ति 5.0) के नेतृत्व में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं।

अभियान के दौरान गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के सरल उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक प्रावधानों, हेल्पलाइन सेवाओं एवं साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं ब्ऊझ साझा न करने के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई।

पुलिस द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा या साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस या संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें। प्रत्येक शिकायत पर त्वरित एवं विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

**महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर-**
112 - आपातकालीन सेवा 1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181 - महिला हेल्पलाइन 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सोनभद्र पुलिस महिला सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है एवं मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत यह अभियान सतत रूप से संचालित किया जाता रहेगा।

## बोर्ड परीक्षा कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

चित्रकूटः बोर्ड परीक्षाओं को नकलविहीन व पारदर्शी तरीके सम्पन्न कराने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में स्थापित जनपद स्तरीय बोर्ड परीक्षा कंट्रोल रूम का सोमवार को कंट्रोल रूम प्रभारी व उप जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ यादव ने निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कंट्रोल रूम प्रभारी एसडीएम न्यायिक ने कंट्रोल रूम में स्थापित 40 परीक्षा केंद्रो के डीवीआर व सीसीटीवी कैमरों के संचालन का अवलोकन किया। यहां सभी परीक्षा केंद्रों के सीसीटीवी कैमरों का ऑनलाइन संचालन होते पाया। एसडीएम ने सभी परीक्षा केन्द्रों की कक्षाओं में व्यवस्थाएं सही करने व सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, फर्नीचर, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय आदि व्यवस्थाओं को भी परीक्षा से पूर्व दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर, परीक्षा प्रभारी फूलचंद सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

# शिवरात्रि के पावन अवसर पर श्रीराम टूर एंड ट्रेवल्स ने ग्राहकों को भेंटकर किया सम्मानित

प्रयागराजः महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रयागराज के श्रीराम टूर एंड ट्रेवल्स ने अपने ग्राहकों को विशेष सम्मान प्रदान किया। वेस्ट कस्टमर को गिफ्ट के रूप में बधाई संदेश दिया गया, जबकि रेगुलर ग्राहकों को अंगवस्त्र, हनुमान चालीसा और नवोदित शिव प्रतिमा भेंट की गई।प्रबंधक श्री राम मनीष विश्वकर्मा ने कहा, 'शिवरात्रि महापर्व के अवसर पर श्रीराम टूर एंड ट्रेवल्स परिवार की ओर से सभी ग्राहकों को हार्दिक बधाई।

हम अपने रेगुलर कस्टमरों को इसी तरह सम्मानित करते रहेंगे। दिल की गहराइयों से सभी को आभार, और भविष्य में भी सहयोग की अपेक्षा करते हैं।'सर्वश्रेष्ठ ग्राहकों में डॉ. भृगु श्रीवास्तव, शिव प्रताप सिंह, सत्यम द्विवेदी और रोहित द्विवेदी शामिल रहे। इस पहल से ग्राहकों में उत्साह का संचार हुआ और ट्रेवल्स कंपनी की सेवा भावना की सराहना हो रही है।श्रीराम टूर एंड ट्रेवल्स, प्रयागराज प्रबंधकः श्री राम मनीष विश्वकर्मा

## मड़फा महादेव की तलहटी में चल रहा शिवशक्ति महायज्ञ सम्पन्न,भंडारे में हजारों ने ग्रहण किया प्रसाद

चित्रकूटः विंध्य पर्वतमाला की पावन श्रेणियों में स्थित मड़फा महादेव के पावन सानिध्य में आयोजित दस दिवसीय शिवशक्ति महायज्ञ व राज राजेश्वरी महा आरधना का सोमवार को विधिवत समापन हो गया। यज्ञ की पूर्णाहुति पर हर हर महादेव के गगन भेदी नारों से पूरा इलाका गुँजायमान होता रहा। इस अवसर पर सुदूर अंचलों से आए शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानन्द महाराज के शिष्यों, भक्तों सहित दो दर्जन से अधिक गांव के पांच हजार से ज्यादा लोग मौजूद रहे। पूरे यज्ञ के दौरान सैकड़ो दंडी स्वामियों की उपस्थिति भी स्थानीय लोगों के लिए कौतूहल का केंद्र रही। स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ चित्रकूट के चारो अखाड़ों के संत-महंत, पुजारियों साधकों और श्रद्धालुओं की मौजूदगी से पूरा मड़फा क्षेत्र आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर दिखाई दिया।वैदिक मंत्रोच्चार और संतों के आशीर्वचनों के बीच यज्ञ की पूर्णाहुति सम्पन्न हुई। इसके पश्चात मड़फा महादेव क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों के लगभग पचास हजार से ज्यादा ग्रामीणों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

# थाना- पिपरी पुलिस एवं साइबर टीम द्वारा साइबर फ्रॉड की धनराशि 10,500/- कराई गई वापस

**चिन्ता पान्डेय**

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के दिशा-निर्देशन में एवं क्षेत्राधिकारी हर्ष पाण्डेयङ के पर्यवेक्षण में तथा थाना पिपरी की साइबर टीम द्वारा सराहनीय कार्य करते हुए साइबर फ्रॉड से पीड़ित आवेदक की धनराशि कराई गई वापस ।

उक्त क्रम में आवेदक विवेक कुमार सिंह पुत्र श्रीपति सिंह, निवासी मुर्धवा, रेनूकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र, के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा साइबर फ्रॉड कर धनराशि ट्रांसफर करा ली गई थी। शिकायत प्राप्त होने पर साइबर टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित बैंक से पत्राचार कर फ्रॉड हुई धनराशि को होल्ड कराया गया तथा नियमानुसार नोटिस प्रेषित कर कुल 10,500/- रुपये सफलतापूर्वक आवेदक के मूल बैंक खाते में वापस कराए गए। प्राप्त धनराशि का विवरण - 10,500/- (दस हजार पाँच सौ रुपये मात्र) धनराशि वापस कराने वाली टीम - प्र0नि0 प्रणय प्रसून श्रीवास्तव, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र नि0 हरेन्द्र यादव, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र . उ0नि0 दिलीप सिंह, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र म0आ0 अर्चना, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र

# बुद्ध के विचारों को आत्मसात करने से कायम होगा अमन चैनःचंद्रसेन पाल

**चिन्ता पान्डेय**

बुद्ध अम्बेडकर सेवा समिति के तत्वाधान में जनपद सोनभद्र के चोपन थाना अंतर्गत ग्राम चीरहुली में विगत वर्षों की भांति गौतम बुद्ध महोत्सव का आयोजन किया गया जिसकी शुरुआत सारनाथ वाराणसी से आए पूज्य भंते बुद्ध ज्योति जी ने तथागत बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं बुद्ध पूजा, त्रिशरण, पंचशील पाठ कराकर किया ।

मुख्य अतिथि जन अधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रसेन पाल एड0 ने कहा कि आज देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व आतंकवाद, आपसी कलह, आर्थिक तंगी एवं अंधविश्वास से जूझ रहा है इससे बाहर निकलने का मात्र एक ही रास्ता है वह है तथागत बुद्ध का मार्ग । तथागत बुद्ध ने कहा है कि यदि दुःख है तो उसका कारण है, कारण है तो निवारण है, उसके लिए निवारण का मार्ग है परंतु उस मार्ग पर हम सभी को चलना होगा। तथागत बुद्ध के विचारों को दुनिया का हर व्यक्ति यदि आत्मसात कर ले तो पूरे विश्व में अमन चयन, शांति एवं खुशहाली कायम हो जाएगी इसके लिए तथागत बुद्ध के द्वारा दिया गाया त्रिशरण, पंचशील एवं अष्टांगिक मार्ग को ग्रहण करना होगा और उसको अमल में लाना होगा । पूरे विश्व में तथागत बुद्ध का ही एक ऐसा मार्ग है जो वैज्ञानिक है व तर्क करने की खुली छूट देता है । बुद्ध ने कहा है कि कोई भी बात तर्क की कसौटी पर यदि खरी उतरे तभी माने किसी के कह देने मात्र से मानने की जरूरत नहीं है।

मुख्य वक्ता डॉ भागीरथी सिंह मौर्य प्रदेश प्रमुख महासचिव जन अधिकार पार्टी ने कहा कि भारत का संविधान तथागत बुद्ध की विचारधारा एवं सम्राट अशोक के शासनकाल पर आधारित संविधान है । बाबा साहब ने जो संविधान देशवासियों को दिया है वह संविधान सबको बराबरी का अधिकार एवं सम्मान देता है । जो सरकार आपके वोट से बनती है वह सरकार आपकी एवं आपकी आने वाली पीढ़ियो का भाग्य विधाता होती है सरकार को बनाने में चाहे राजा का वोट हो अथवा किसान, मजदूर, गरीब एवं महिला का वोट हो सबके वोट की कीमत बराबर होती है यह बाबा साहब की देन है इसलिए सभी को बराबर का सम्मान एवं अधिकार दिलाना सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है । विशिष्ट अतिथि विकाश शाक्य एड0 एवं आदित्य मौर्य जिलाध्यक्ष जन अधिकार पार्टी ने कहा कि भगवान बुद्ध का धम्म समस्त जीवो के लिए कल्याणकारी एवं लाभकारी होता है परंतु जो अपनाएगा लाभ उसे ही मिलेगा । अंत में कार्यक्रम आयोजन मंगला प्रसाद मौर्य ने बुद्ध महोत्सव में आए हुए लोगों के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया । महोत्सव को जन अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य, किरण कुशवाहा, इंदु मौर्य, विजयमल मौर्य, डॉ ओ पी मौर्य, रवि रंजन शाक्य, कृष्णानंद मौर्य प्रधान,जय प्रकाश, डॉ पी के सिंह, नागेंद्र मौर्य, अरुण सिंह, सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता संत कुमार मौर्य एवं संचालन रविन्द्र कुमार मौर्य ने किया ।

# कल तक जो लूटते थे डोलियाँ कहार बन

प्रतापगढ़।ऊँ बाबा बूढ़ेश्वर नाथ धाम तिना-चितरी के 14 वें महाशिवरात्रि महोत्सव में देश के सुप्रसिद्ध कवि/कवयित्रियों ने ऐसी काव्य गंगा प्रवाहित की कि श्रोता उसमें डूबते-उतराते रहे।

इस महोत्सव में हुए राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में जहाँ प्रेम,सद्भाव और भक्ति की काव्यधार बहती रही वही हास्य की कविताओं को सुनकर श्रोता लोटपोट हो गए।विशाल भीड़ की हिस्सा रही महिलाएं अपनी जगह पर खड़ी होकर इन कवियों और कवित्रियों की कविताओं का आनंद उठाती रहीं।

दिल्ली के व्यवसायी होरी लाल चौरसिया ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। काव्य गंगा का औपचारिक शुभारंभ माँ सरस्वती की जया मिश्रा द्वारा की गई वंदना से हुआ।जया मिश्रा पिता पर मार्मिक कविता पढ़कर जहाँ लोगों के मर्म का स्पर्श किया वहीं अपने गीतों से उन्होंने उपस्थित नारी एवं पुरुष को मंत्रमुग्ध कर दिया।अजय कुमार सोनी ने माँ के गीत से वातावरण को नाम कर दिया तो गौरीगंज के कवि राजेंद्र शुक्ल अमरेश ने सासू और पतोहू के झगड़े पर आधारित हास्य के गीत से लोगों को खूब हँसाया।राम बदन शुक्ल पथिक ने अबकी मिल जातै परधानी कविता से खूब हँसाया।राधेश पाण्डेय ने बताया ने अहै बड़ी अंइठी कै अइंठा कविता पढ़कर लोगों को खूब हँसाया और तालियाँ बटोरीं।

संचालन कर रहे विख्यात कवि डॉ.रणजीत सिंह ने जहाँ- कल तक थे जिनके हाथ पाप से सने हुए,वे ही अब इस समाज के अगुआ बने हुए,कल तक जो लूटते थे डोलियाँ कहार बन,वे ही हैं अब इस देश के नेता चुने हुए मुक्तक से अपना काव्य पाठ प्रारंभ करके सैनिकों पर अपनी प्रसिद्ध रचना का पाठ कर लोगों को रोमांचित एवं आनंदित किया।

सुप्रसिद्ध कवि बिहारी लाल अंबर ने अपनी हास्य की कविताओं से लोगों को लोटपोट कर दिया।लगभग पौने घंटे के काव्य

पाठ में उन्होंने श्रोताओं को जमकर हँसाया और गुदगुदाया। प्रमोद दुबे लंठ ने भी हास्य रस की कविताओं से वाहवाही पाई।अध्यक्षता कर रहे सुरेश नारायण दुबे व्योम ने अपने श्रेष्ठ गीतों से मंच को ऊँचाई प्रदान किया। कार्यक्रम के संयोजक सतीश कुमार चौरसिया ने ऐसे कार्यक्रमों की उपादयता पर प्रकाश डालते हुए कवियों एवं उपस्थित जनों का स्वागत किया।संयोजक द्वितीय रवीन्द्र कुमार चौरसिया ने भी कवियों का माल्यार्पण कर एवं अंग वस्त्र भेंट कर सम्मान किया। मुख्य अतिथि जीत लाल पटेल विधायक विश्वनाथगंज के प्रतिनिधि तथा जिला पंचायत सदस्य महेंद्र यादव भी उपस्थित रहे।आभार प्रदर्शन आयोजक चेतन चौरसिया एवं राकेश चौरसिया ने किया। इस अवसर पर मोतीलाल चौरसिया, भोला चौरसिया,शंभू चौरसिया, संतोष चौरसिया, विनय चौरसिया, मनीष चौरसिया,रामजी जायसवाल, डॉ.सदाशिव वर्मा, सर्वेश जायसवाल, प्रहलाद मोदनवाल, छोटेलाल चौरसिया, रामबरन चौरसिया, ओम प्रकाश चौरसिया, महेश वर्मा,राजेंद्र चौरसिया,बी एन पाण्डेय सहित बहुत बड़ी संख्या में लोगों ने कवि सम्मेलन का आनंद उठाया एवं बाबा बूढ़ेश्वरनाथ का पूजन एवं बंधन किया।

## मैहर में दिल दहला देने वाली वारदात जंगल में मिली जली की लाश

मैहर जिले से एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। ताला थाना क्षेत्र के अंतर्गत जंगल में एक अज्ञात महिला का जला हुआ शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है। शव प्रथमद्रष्टया महिला का प्रतीत हो रहा है, जिंदा जलाए जाने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मामला पूरी तरह से संदिग्ध बना हुआ है। सूचना मिलते ही एसडीपीओ ख्याति मिश्रा, चौकी प्रभारी नागेश्वर मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

# जनता की आवाज़ को प्राथमिकताः एसपी सोनभद्र ने जनता दर्शन में समस्याएं सुनकर दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश'

**चिन्ता पान्डेय**

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं धैर्यपूर्वक सुना गया। जनता दर्शन में उपस्थित फरियादियों द्वारा भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, धोखाधड़ी सहित अन्य पुलिस संबंधी समस्याओं से पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक फरियादी की समस्या को व्यक्तिगत रूप से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, समयबद्ध एवं

गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं कानून के दायरे में किया जाए तथा किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि जिन प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही अपेक्षित है, उनमें तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

जनता दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आमजन की समस्याओं को सीधे सुनकर समाधान करने का उद्देश्य पुलिस-जन संवाद को सशक्त बनाना तथा आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास को और अधिक मजबूत करना है।

# सुजावन देव मंदिर में भव्य रुद्राभिषेक एवं भस्म आरती का आयोजन

प्रयागराज। सुजावन देव मंदिर में सोमवार को भगवान भोलेनाथ के पावन स्वरूप पर भव्य रुद्राभिषेकङएवं भस्म आरती का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया।प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भगवान शिव का दुग्ध, गंगाजल, शहद एवं बेलपत्र से विधि-विधान पूर्वक रुद्राभिषेक सम्पन्न कराया गया। अनुष्ठान के दौरान पूरे मंदिर परिसर में 'हर हर महादेव' के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा।शाम को आयोजित भव्य भस्म आरती में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आरती के पश्चात उपस्थित भक्तों को

प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन समिति के अनुसार, इस तरह के धार्मिक कार्यक्रमों का उद्देश्य सनातन संस्कृति को बढ़ावा देना एवं समाज में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें स्थानीय भक्तों के साथ दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया

# बृजभूषण शरण सिंह ने सियाराम कुटीर पहुंचकर नानाजी को दी श्रद्धांजलि

## नानाजी के कार्यों को नजदीकी से देखने के मिले कई अवसर- बृजभूषण शरण

चित्रकूट।भारत रत्न नानाजी देशमुख के चित्रकूट स्थित आवास सियाराम कुटीर पहुंचकर भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं यूपी से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने उनको श्रद्धांजलि दी और उनके साथ बिताए पलों को याद करके भाव विभोर हो उठे।

अपने चित्रकूट प्रवास पर आए पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह भारत रत्न नानाजी देशमुख को श्रद्धांजलि देने सियाराम कुटीर पहुंचे, वहां नानाजी के कक्ष में पहुंचकर उनको श्रद्धा पुष्प अर्पित किए और कुछ देर नानाजी के कक्ष में ही बैठकर नानाजी के साथ बिताए पलों को याद करते हुए अपनी चिर-स्मृतियां साझा की। सियाराम कुटीर में दीनदयाल शोध संस्थान के कार्यकर्ता निखिल मिश्रा द्वारा रोली टीका गमछा के साथ उनका अभिनन्दन किया गया। उन्होंने कहा कि नानाजी अक्सर कहा करते थे जिस दिन गांव जाग जाएंगे, उस दिन दुनिया जाग जाएगी। वह ऐसा अपने राजनीतिक अनुभव, सामाजिक दृष्टिकोण से कहा करते थे। उन्होंने कहा ही नहीं करके भी दिखाया। उत्तर प्रदेश के गोंडा जनपद से शुरू की गई उनकी सामाजिक यात्रा में समाज मूलक कार्यों को नजदीकी से देखने का अवसर मुझे कई बार मिला है। श्रद्धेय नानाजी अब हमारे बीच नहीं हैं लेकिन विचार के रूप में वह आज भी हमारे बीच मौजूद हैं। सियाराम कुटीर आकर पुनः पुरानी यादें ताजा हो गईं। उन्होंने बताया कि नानाजी का कार्य यज्ञ की तरह है, उनको देखकर एक विशेष ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी जब गोंडा आए थे तब उस समय वे भी गोंडा में नानाजी के कार्यों के प्रत्यक्षदर्शी रहे हैं। नानाजी के स्वाबलंबन कार्यों को बहुत नजदीक से देखने का अवसर कई बार मिला है। नानाजी का व्यक्तित्व बहुत विराट रहा है, उनसे जितनी बार भी मिलो, हर बार एक नया अनुभव होता है। भारत रत्न नानाजी देशमुख ने गांव के मर्म को समझा और वहां रहने वाले लोगों के पुरुषार्थ को जगाने का काम किया। उन्हें अपना काम अपने आप करो की सीख देकर इस लायक बना दिया कि आज उनका हुनर सीखने के लिए दुनिया भर के लोग आ रहे हैं, जिन्हें यह सब देखना गंवारा नहीं था। नानाजी जब कहते थे कि गांव बदल सकते हैं। लोग गरीबी की जंग जीत सकते हैं। लोगों में स्वावलंबन भरा पड़ा है, केवल उसे कुरेदने की जरूरत है। तब शायद किसी को भरोसा नहीं रहा होगा कि ये चमत्कार हो जाएगा।

## उन्मुखीकरण कार्यक्रम में शैक्षणिक गुणवत्ता बढाने पर जोर

चित्रकूटः ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को मऊ में किया गया। इस दौरान बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी आम जनता के बीच प्रचारित करने पर जोर दिया गया।उन्मुखीकरण कार्यक्रम में मानिकपुर विधायक अविनाश चन्द्र द्विवेदी ने बताया कि अब बच्चों के अभिभावकों के खाते में डीबीटी के जरिए सीधे 1200 रूपये भेजे जाते हैं। इसका उपयोग बच्चों के यूनिफॉर्म, जूते, बैग आदि खरीदने में किया जाए। साथ ही बच्चों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए उनका उत्सावर्धन करते रहे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा ने कहा कि सभी शिक्षक डीबीटी एवं एसआईआर का कार्य पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्धारित समय के अंदर पूर्ण करें। इस मौके पर मऊ नगर पंचायत अध्यक्ष अमित द्विवेदी, उपजिलाधिकारी रामऋषि रमन, खण्ड विकास अधिकारी ओमप्रकाश यादव, कर्वी के खण्ड शिक्षा शशांक शेखर शुक्ला, प्रधान संघ अध्यक्ष प्रभात पांडेय ने भी विचार व्यक्त किए। खण्ड शिक्षाधिकारी मऊ केडी पाण्डेय ने विषय वस्तु की जानकारी दी तथा संचालन प्रधानाध्यापक अरुण श्रीवास्तव ने किया।इस मौके पर शिक्षक नेता आलोक कुमार गर्ग, संकल्प पाण्डेय, वीरभान सिंह, शारदेंदु शुक्ला, दिलीप शुक्ला, दनुज कुमार सिंह, तब्बसुम बेगम, भावना त्रिपाठी, ज्ञान सिंह, सुशील पाण्डेय, छविलाल प्रजापति आदि मौजूद रहे।

# मीडिया कर्मियों की समस्याओं को लेकर सीईओ से मिला मीडिया क्लब के पदाधिकारी का प्रतिनिधिमंडल

**देव मणि शुक्ल**

नोएडा सोमवार को मीडिया कर्मियों की समस्याओं को लेकर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश से नोएडा मीडिया क्लब के पदाधिकारी एवं पत्रकारों ने मुलाकात कर उन्हें सर्वप्रथम बधाई दी ,और मीडिया से संबंधित समस्याओं के संबंध में एक ज्ञापन सोपा, इस संबंध में मीडिया क्लब के

अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने उन्हें अवगत कराया की मीडिया कर्मियों को पार्किंग के लिए पास की व्यवस्था एवं मीडिया क्लब में लिफ्ट रुकने की व्यवस्था, मीडिया क्लब को स्थाई मान्यता देने, आदि समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सोपा। इस अवसर पर मीडिया क्लब के महासचिव जेपी सिंह, सचिव जगदीश शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य आंचल यादव, वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद आजाद, वरिष्ठ पत्रकार अरुण सिन्हा, मनोहर त्यागी, वरिष्ठ पत्रकार पवन सिंह, पवन त्रिपाठी, हिमांशु शुक्ला आदि मौजूद थे।

# सरकारी भूमि पर लेखपाल मिली भगत करा रहे अवैध कब्जा : रूबी प्रसाद

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का अयोजन किया गया।

तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 2, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 2, नगर पंचायत ओबर में 4, नगर पंचायत रेनुकूट में 2, नगर पंचायत पिपरी में 3, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 0, समस्त निकायों में कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुई। जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। रूबी प्रसाद अध्यक्ष



द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है। वही नपा अध्यक्ष ने बताया की नगर पालिका क्षेत्र सरकारी जमीनों पर लेखपालों के मिली भगत अवैध कब्जा कराया जा रहा है। जिसको लेकर संबंधित अधिकारी को इस संदर्भ में शिकायत पत्र के माध्यम से अवगत कराया जाएगा और नगर पालिका क्षेत्र के सभी सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त करते हुए सार्वजनिक हित में नए निर्माण कार्य कराए जाएंगे। इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है। इस मौके पर जेई राजकुमार राज, सभासद अनवर अली, मनोज़ चौबे, अजीत सिंह, सुजीत कुमार, अजय कुमार, राजीव कुमार, अमित दुबे, आशीष कुमार आदि उपस्थित रहें।

## डीएम की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की बैठक सम्पन्न

रायबरेलीः जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सी0एम0 डैशबोर्ड के अन्तर्गत निर्माणाधीन सड़क परियोजनायें, निर्माणाधीन परियोनायें एवं अन्य निर्माण कार्यो की माह जनवरी की प्रगति समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि सड़कों का नवीनीकरण/मरम्मत के कार्य प्राथमिकता से गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध पूर्ण कराये जायें। निर्माण कार्यो में समय सीमा के अन्तर्गत कार्य पूर्ण न करने वाली कार्यदायी संस्थाओं को चिन्हित कर पेनाल्टी लगाई जाये। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित कराने हेतु निर्माण सामग्री की समय-समय पर सैम्पलिंग कराकर जांच करवायी जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता, अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चन्द्रा, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सुधीर गिरि, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

# रासलीला के पहले दिन वृंदावन के कलाकारों ने श्रीकृष्ण जन्म का किया सजीव मंचन

सोनभद्र। नगर स्थित श्री रामलीला मैदान में रविवार की रात 8:00 बजे नौ दिवसीय भव्य श्री कृष्ण रासलीला का शुभारम्भ हिमालय से पधारे तपोनिष्ठ परमपूज्य 1008 स्वामी श्री सेवादास ने किया। रासलीला के प्रथम दिन कलाकारों ने श्रीकृष्ण के जन्म का सजीव मंचन किया। जिसको देखकर श्रद्धालु हर्षित हो उठे।

वृंदावन से आए कलाकारों की सुंदर प्रस्तुति ने माहौल को आनंदित बनाए रखा। श्रीकृष्ण जन्म के अलावा कलाकारों ने श्री कृष्ण मयूर नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई। रासलीला की शुरूआत में आरती का कार्यक्रम हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजन-अर्चन की।

इसके बाद कलाकारों ने मंचन करते हुए दिखाया कि नंद के घर जब भगवान श्री कृष्ण के जन्म का उल्लास था तो ब्रज में नंद के घर



जमकर खुशियां मनाई गईं। बधाई गीत से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। हर तरफ - नंद घर गोपाल आयो, जय कन्हैया लाल की, आदि जयघोष लगाए गए। मंचन की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को शुरू से अंत तक पंडाल में रोके रखा। इस अवसर पर मुख्य रूप से समिति के संरक्षक जितेंद्र सिंह, रामप्रसाद यादव, कृष्ण मुरारी गुप्ता अध्यक्ष सचिन गुप्ता, महामंत्री धीरज जलान, कोषाध्यक्ष बचाऊ पांडे, राकेश गुप्ता, पवन जैन, धर्मेश सिंह, खरवार धीरज जालान, मनोज सिंह, विजयकांत मिश्रा, संजू केसरी, राजकुमार अग्रवाल, आशीष केसरी, मखनचू हर्ष केसरी, सत्येंद्र पांडे, राजेश पाठक, राजू केसरी, ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, टोनी पांडे, दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, विजय कानोडिया, ओमप्रकाश पाठक एडवोकेट, संदीप चौरसिया, संदीप पांडेय, डॉ. चंद्रभूषण पांडेय, वीरेन्द्र शर्मा, मिठाईलाल सोनी, रामबाबू, विनोद केशरी, बिन्दु पांडेय, अमीश पांडेय, डॉ. अनिल पांडे उपस्थित रहे।

# गवर्नमेंट सर्विस प्रोवाइडर पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

सोनभद्र। पंचायत भवन - रेडिया के सभागार में सोनभद्र विकास समिति के द्वारा 'गवर्नमेंट सर्विस प्रोवाइडर' पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर मुमताज अख्तर , ग्राम विकास अधिकारी, लेखपाल, कम्युनिटी मोबिलाइजर चंद्रशेखर , बीना , रौशनी , आशा, आंगनवाड़ी और विभिन्न समान्नितगण उपस्थित रहे। सुनील गोंड ने संबोधित करते हुए बताया कि गर्वनमेंट सर्विस प्रोवाइडर पर जागरूकता



आधारित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिका स्वास्थ्य, जीविका, सशक्तिकरण , शिक्षा को बढ़ाना व आत्मनिर्भर बालिका निर्माण हैं। लेखपाल ने बालक बालिका को एकसमान बताते हुए कौशल के महत्वपूर्ण बिन्दु का व्याख्यान किया और बालिका शिक्षा को संजीवनी बताया। बालिका संरक्षण आधारित विभिन्न कानूनी अधिकार का व्याख्यान किया । मुमताज द्वारा, प्रश्न उत्तर कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं के सम्पूर्ण जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों का जवाब दिया गया व सरकार द्वारा हिंसा सम्बन्धित मिशन योजना के बारे में बताया और स्वच्छता व स्वास्थ्य पर बालिकाओं से बात किया। चंद्रशेखर ने बताया कि दैहिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ होना (समस्या-विहीन होना) ही स्वास्थ्य है। किसी व्यक्ति की मानसिक,शारीरिक और सामाजिक रुप से अच्छे होने की स्थिति को स्वास्थ्य कहते हैं।। स्वास्थ्य सिर्फ बीमारियों की अनुपस्थिति का नाम नहीं है।

# गवर्नमेंट सर्विस प्रोवाइडर पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

आधुनिक समाचार

सोनभद्र। पंचायत भवन - रेडिया के सभागार में सोनभद्र विकास समिति के द्वारा 'गवर्नमेंट सर्विस प्रोवाइडर' पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर मुमताज अख्तर , ग्राम विकास अधिकारी, लेखपाल, कम्युनिटी मोबिलाइजर चंद्रशेखर , बीना , रौशनी , आशा, आंगनवाड़ी और विभिन्न समान्नितगण उपस्थित रहे। सुनील गोंड ने संबोधित करते हुए बताया कि गर्वनमेंट सर्विस प्रोवाइडर पर जागरूकता आधारित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिका स्वास्थ्य, जीविका, सशक्तिकरण , शिक्षा को बढ़ाना व आत्मनिर्भर बालिका निर्माण हैं। लेखपाल ने बालक बालिका को एकसमान बताते हुए कौशल के महत्वपूर्ण बिन्दु का व्याख्यान किया और बालिका शिक्षा को संजीवनी बताया। बालिका संरक्षण आधारित विभिन्न कानूनी अधिकार का व्याख्यान किया । मुमताज द्वारा, प्रश्न उत्तर कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं के सम्पूर्ण जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों का जवाब दिया गया व सरकार द्वारा हिंसा





सम्बन्धित मिशन योजना के बारे में बताया और स्वच्छता व स्वास्थ्य पर बालिकाओं से बात किया। चंद्रशेखर ने बताया कि दैहिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ होना (समस्या-विहीन होना) ही स्वास्थ्य है। किसी व्यक्ति की मानसिक,शारीरिक और सामाजिक रुप से अच्छे होने की स्थिति को स्वास्थ्य कहते हैं।स्वास्थ्य सिर्फ बीमारियों की अनुपस्थिति का नाम नहीं है।

# आदिवासी जमीन हड़पने के आरोपों पर रालोद का द्वितीय स्मरण पत्र, उच्चस्तरीय जांच की मांग

सोनभद्र! नगवां और कोन ब्लॉक के वनवासी क्षेत्रों में सैकड़ों बीघा भूमि कथित रूप से भू-माफियाओं द्वारा हड़पे जाने के मामले में राष्ट्रीय लोकदल ने प्रदेश सरकार को द्वितीय स्मरण पत्र भेजकर निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। पार्टी पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की है। राष्ट्रीय लोकदल के राबट्र्सगंज स्थित कैंप कार्यालय से प्रेषित पत्र में बताया गया कि ब्लॉक नगवां एवं कोन के खौटेला, चिचलीक, मांची तथा ग्राम पोखरिया (पुलिस चौकी पोखरिया) के वनवासी परिवारों की जमीन दबाव और कथित धोखाधड़ी के माध्यम से अपने कब्जे में की गई। पत्र में आरोप है कि स्वयं को निजी कंपनी का एग्रीमेंटर बताने वाले मुंशी सिंह नामक व्यक्ति और उसके सहयोगियों ने पहले ग्रामीणों के बीच खाद्य सामग्री, मोबाइल फोन व वस्त्र वितरित कर विश्वास बनाया, फिर नौकरी और मुआवजे का झांसा दिया। बताया गया कि बैंक खाता खुलवाने के नाम पर ग्रामीणों को जिला मुख्यालय लाकर एक निजी भवन में रोका गया और बाद में ओबरा तहसील में 19 नवंबर 2024 को कथित रूप से दबाव में रजिस्ट्री कराई गई। इसके अतिरिक्त राबट्र्सगंज तहसील में भी अन्य तिथियों पर बहला-फुसलाकर रजिस्ट्री कराने का आरोप लगाया गया है। पीड़ितों द्वारा 28 नवंबर 2024 को जिलाधिकारी को शिकायत पत्र दिए जाने का उल्लेख भी किया गया है।

पत्र की प्रतिलिपि केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह तथा सांसद राजकुमार सांगवान को भी प्रेषित की गई है। रालोद पदाधिकारियों ने कहा कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो इससे सरकार की पंप स्टोरेज विद्युत परियोजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं पर भी असर पड़ सकता है। प्रशासन की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

# भारतीय किसान यूनियन अराज नैतिक अम्बावता गुट का विरोध प्रदर्शन

सोनभद्र। भारतीय किसान यूनियन अराज नैतिक अम्बावता गुट के पदाधिकारी द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति नामित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतिनिधि को सौंपा गया।




जिला उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने बताया कि विभिन्न समस्याओं को लेकर वरिष्ठ पदाधिकारी द्वारा ज्ञापन जिला अधिकारी को सौंपा गया। वक्ताओं ने कहा कि ट्रेड डील के विरोध में पूर्वांचल मध्यांचल उ0 प्र0 तथा देश के दिग्गज किसान नेताओं के साथ में इसका विरोध करने के लिए हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अम्बावता के साथ बातचीत हुई है। इसके विरोध में 16 तारीख को समस्त देशभर में जिला अधिकारी कार्यालय पर ज्ञापन देकर इसका विरोध प्रदर्शित किया जाएगा और आने वाले 22 मार्च को एक बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा।

पांच सूत्री मांगों में भारत अमेरिका ट्रेड डील व्यापार समझौता, तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए, एमएसपी गारंटी कानून बनाया जाए, सम्पूर्ण भारत में किसानो का कर्ज माफ किया जाए, उ0 प्र0 वृद्धा पेंशन 5000 प्रतिमाह किया जाए, शिक्षा व चिकित्सा पूर्णतः निशुल्क किया जाए। इस मौके पर संत श्यामसुंदर, जिला उपाध्यक्ष सरोज देवी महिला जिला उपाध्यक्ष प्रभा महिला जिला अध्यक्ष राधा देवी, केदार नाथ , सरस्वती, रेनू देवी महिला , हनुमान प्रजापति, नगवा गणेश , परमेश्वर प्रजापति , कमलेश मौर्या , रामदास वहसील , रामधीन ठाकुर , रामचन्द्र कनौजिया , मोहम्मद अनवर खान आदि लोग मौजूद रहे।

# प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल, शिक्षा का महत्व एवं चुनौतियां पर एक दिवसीय सेमिनार का समापन

सोनभद्र। सोमवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) सोनभद्र में ' प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल, शिक्षा का महत्व एवं चुनौतियां' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का समापन डायट प्राचार्य / उप शिक्षा निदेशक मुकुल आनंद पाण्डेय के दिशा निर्देशन में सकुशल संपन्न हुआ। इस सेमिनार में जनपद के प्रत्येक विकासखंड के 08 (आठ ) प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक तथा डायट प्रवक्ताओं ने प्रतिभाग किया । सेमिनार में प्रारंभिक बाल्यावस्था हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति में किए गए प्रावधान तथा उनके क्रियान्वयन विषय पर चर्चा किया गया,जिसके अंतर्गत बाल वाटिका में बच्चों के नामांकन तथा ठहराव की रणनीतियों पर समझ और बच्चों को खेल,खोज तथा गतिविधि




आधारित शिक्षण की विषय वस्तु के प्रयोग पर चर्चा परिचर्चा की गई।

सेमिनार में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,ओबरा से डॉद( प्रोद) संतोष कुमार सैनी, डायट प्रवक्ता सुनील कुमार मौर्या, शंकर सिंह एवं जिज्ञासा यादव ने अपने विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश मौर्या द्वारा किया गया। सेमिनार में डायट प्रवक्ता अवधेश कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, हरिवंश सिंह, हीरालाल प्रजापति आदि ने प्रतिभाग किया।

# एडीएम की अध्यक्षता में निकायों के अवस्थापना विकास निधि के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों के सम्बन्ध में बैठक संपन्न

रायबरेली, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 15वे वित्त आयोग/ अवस्थापना विकास निधि के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों को लेकर नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अध्यक्षों एवं अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई।

बैठक में अपर जिलाधिकारी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15 वें वित्त आयोग में प्राप्त धनराशि के सापेक्ष प्रस्तुत नगर-निकाय वार कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए सभी अधिशासी अधिकारियों को लोकहित/जनोपयोगी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने अधिशासी अधिकारियों को



नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत के उपयोगार्थ क्रय की जाने वाली सामग्री यथा - कूड़ादान, कूड़ागाड़ी व स्ट्रीट लाइट आदि की गुणवत्ता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी के क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था सुदृढ़ रहे, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। बैठक में मा0 अध्यक्ष नगर पंचायत डलमऊ ब्रजेश दत्त गौड़, मा0 अध्यक्ष परशदेपुर विनोद कौशल, मा0 अध्यक्ष नसीराबाद मो0 अली, मा0 अध्यक्ष लालगंज सरिता गुप्ता, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह सहित नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी व सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

# उन्नति छात्रवृत्ति योजना के तहत चुने हुवे छात्रों को सालाना वित्तीय सहायता दी जाएगी - सीडीओ

रायबरेलीः- मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता ने बताया है कि महिला और बाल विकास मंत्रालय (शेंण्अ), भारत सरकार की एक पहल के रूप में उन्नति छात्रवृत्ति योजना (ळँऊध एम्र्दर्त्पिज्ञे म्पस) क्रियान्वित की



जा रही है, जिसको नेशनल चिल्ड्रन्स फंड (ण्इ) के जरिए लागू किया जा रहा है ताकि किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 और 2021 में किए गए संशोधन के तहत रजिस्टर्ड चाइल्ड केयर इंस्टीट्यूशंस (ण्ण्घ) में रहने वाले बच्चों की पढाई में बेहतरीन प्रदर्शन को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने बताया कि यह योजना पंजीकृत ण्ण्घे में क्लास ĩँ से ँघ में पढ़ने वाले होनहार बच्चों को आर्थिक मदद देती है, जिसका मकसद पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन, आत्मविश्वास बढ़ाना और उनके भविष्य के विकास के लिए सही मौके बनाना है। स्कीम के तहत हर वर्ग/श्रेणी (ĩँ, ँघ और ँघ) में मेरिट के आधार पर चयन किया जाएगा। उन्नति छात्रवृत्ति योजना के तहत चुने हुए छात्रों को मेरिट के आधार पर सालाना लगभग रु0-13000/- की वित्तीय सहायता दी जाएगी।छात्रवृत्ति की राशि सीधे बच्चे के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। कुल छात्रवृतियों में से पचास प्रतिशत लड़कियों के लिए आरक्षित हैं।

# आदिवासी जमीन हड़पने के आरोपों पर रालोद का द्वितीय स्मरण पत्र, उच्चस्तरीय जांच की मांग

सोनभद्र! नगवां और कोन ब्लॉक के वनवासी क्षेत्रों में सैकड़ों बीघा भूमि कथित रूप से भू-माफियाओं द्वारा हड़पे जाने के मामले में राष्ट्रीय लोकदल ने प्रदेश सरकार को द्वितीय स्मरण पत्र भेजकर निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। पार्टी पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की है।

राष्ट्रीय लोकदल के राबट्र्सगंज स्थित कैंप कार्यालय से प्रेषित पत्र में बताया गया कि ब्लॉक नगवां एवं कोन के खौटेला, चिचलीक, मांची तथा ग्राम पोखरिया (पुलिस चौकी पोखरिया) के वनवासी परिवारों की जमीन दबाव और कथित धोखाधड़ी के माध्यम से अपने कब्जे में की गई। पत्र में आरोप है कि स्वयं को निजी कंपनी का एग्रीमेंटर बताने वाले मुंशी सिंह नामक व्यक्ति और उसके सहयोगियों ने पहले ग्रामीणों के बीच खाद्य सामग्री, मोबाइल फोन व वस्त्र वितरित कर विश्वास बनाया, फिर नौकरी और मुआवजे का झांसा दिया। बताया गया कि बैंक खाता खुलवाने के नाम पर ग्रामीणों को जिला मुख्यालय लाकर एक निजी भवन में रोका गया और बाद में ओबरा तहसील में 19 नवंबर 2024 को कथित रूप से दबाव में रजिस्ट्री कराई गई। इसके अतिरिक्त राबट्र्सगंज तहसील में भी अन्य तिथियों पर बहला-फुसलाकर रजिस्ट्री कराने का आरोप लगाया गया है। पीड़ितों द्वारा 28 नवंबर 2024 को जिलाधिकारी को शिकायत पत्र दिए जाने का उल्लेख भी किया गया है। पत्र की प्रतिलिपि केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह तथा सांसद राजकुमार सांगवान को भी प्रेषित की गई है। रालोद पदाधिकारियों ने कहा कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो इससे सरकार की पंप स्टोरेज विद्युत परियोजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं पर भी असर पड़ सकता है। प्रशासन की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।


## पूर्व परंपरा के साथ हवन पूजन के साथ भोले बाबा का एट होम प्रारंभ

रायबरेली।आज दिनांक 16 फरवरी 2026 दिन सोमवार फागुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर बाबा जगमोहनश्वर धाम चंदापुर मंदिर रायबरेली में महाशिवरात्रि के पावन पर्व के पश्चात चंदापुर राज परिवार के छोटे राजा हरसेंद्र सिंह एवं श्रीमती ममता सिंह के द्वारा हवन का कार्यक्रम संपन्न किया गया नव दिवसीय अनुष्ठानिक कार्यक्रमों के पश्चात वाराणसी से आए हुए आचार्य पंडित हर्षवश झा के द्वारा हवन कार्यक्रम कराया गया। वैदिक मंत्र के द्वारा हवन कार्यक्रम संपन्न हुआ । इसके बाद पूरी, सब्जी, खीर 51 कन्याओं को भोग लगाया गया तथा दक्षिणा भी दी गई।

## कार्यवाही की मांग

चित्रकूटः बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत छीतूपुर ददरी माफी गांव की रहने वाली छात्राएं मोनी और सोनी ने बताया कि गांव में महाशिवरात्रि के अवसर पर चंदा एकत्र कर भण्डारे का आयोजन किया गया था। इसके चलते वह लोग भी महाशिवरात्रि के अवसर पर तालाब में आयोजित भण्डारे में भोजन करने गईं थी। जहां वह सभी के साथ बैठकर खाना खाने लगी। इस दौरान वहां खड़े छीतूपुर निवासी विकास उर्फ पिंटू पटेल ने जातिगत आधार पर दोनों बहनों को सार्वजनिक रूप से अपमानित किया और बिना खाना खाए उठाकर भगा दिया। सार्वजनिक रूप से हुए इस जातिगत अपमान के कारण दोनों बहने मानसिक तनाव में है। उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में दोनों छात्राओं ने आरोपी के खिलाफ कठोर कार्यवही किए जाने की मांग की है।

# शिव बारात का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया

रायबरेली।महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर जगमोहनेश्वर मंदिर से निकाली गयी शिव बारात का रास्ते में जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। बारात में तरह-तरह की आस्था की प्रतीक झाकिंया सजायी गयीं थी। झांकी के कलाकारों का प्रदर्शन इतना मन मोहक था कि जिधर से बारात निकली लोग मस्त होकर झूम रहे थे। शिव बारात में बैंड-बाजे व डी.जे. धार्मिक गीतों की धुन माहौल को चार चांद लगा रहे थे। बारात के स्वागत स्थलों की कड़ी में जनपद के वरिष्ठ व्यापारी नेता मुकेश रस्तोगी द्वारा अपने प्रतिष्ठान मुकेश कम्प्यूटर्स कोतवाली रोड रायबरेली की ओर से बारात का भव्य स्वागत किया गया। स्वागत स्थल पर महान औघड़ सन्त पूज्य अवधूत भगवान राम, पूज्य गुरूदेव बाबा गुरूपद संभव रामजी, पूज्य पारद शिवलिंग, भगवान खाटू श्याम जी, सालासर बाला जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर पूजा, अर्चना के साथ दीप प्रज्जवलित कर प्रसाद वितरित किया गया। श्री रस्तोगी द्वारा बारात संचालकों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। अंग वस्त्र भेंट करने वालों में मुख्य रूप से वरिष्ठ समाजसेवी डा0 अमिताभ पाण्डेय, पूर्व सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ओपी यादव, शिवकुमार शुक्ला, पालिकाध्यक्ष शत्रोहन सोनकर, व्यापार मण्डल अध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा, मनोज गुप्ता, बबलू जोशी, अनुज त्रिवेदी, सत्यांशु दुबे, आशु श्रीवास्तव, पवन अग्रहरि, श्रमिक संघ के अध्यक्ष पं. वी.के. शुक्ला, स्वर्णकार संघ के अध्यक्ष भौमेश कुमार स्वर्णकार, इं. दुर्गा प्रसाद स्वर्णकार, गोविन्द सोनी, भाजपा नेता रवि सिंह चौधरी, विजय बाजपेयी, सपा नेता शशिकान्त शर्मा, सौरभ सिंह, नीलेश यादव, चौधरी सुरेश कुमार निर्मल, सुशील जनसेवक, रामबहादुर यादव, राजन रस्तोगी, जया रस्तोगी, देवरंजन रस्तोगी, वीनू रस्तोगी, देवर्षि रस्तोगी, शिवानी रस्तोगी, निवेदिता रस्तोगी, जानकी रस्तोगी, वान्या रस्तोगी, श्रवण रस्तोगी, वामी रस्तोगी, शिवी रस्तोगी, परी मौर्या, अशाक्य शाक्य आदि लोगों ने स्वागत किया।

## संक्षिप्त समाचार

### हरियाणा के पलवल में मातम, 5 बच्चों समेत 12 की मौत, क्या दूषित पानी बन रहा है काल?

नई दिल्ली। हरियाणा के पलवल जिले के चायंसा में 15 दिनों में पांच बच्चों सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है, जिसके चलते दूषित पेयजल और संक्रामक रोगों के प्रसार को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि जनवरी के अंत से फरवरी के मध्य तक हुई मौतें गंभीर यकृत संबंधी जटिलताओं से जुड़ी थीं। प्रारंभिक जांच में वायरल हेपेटाइटिस और पानी के संभावित संदूषण की ओर इशारा मिला है। 31 जनवरी को, चायंसा गांव में पीलिया से संबंधित मौतों की पहली रिपोर्ट दर्ज की गई, जिसकी आबादी 5,700 लोग और 865 परिवार हैं। एक दिन बाद ही त्वरित प्रतिक्रिया दल को तैनात किया गया। इसके बाद चिकित्सा शिविर, घर-घर सर्वेक्षण और ग्रामीणों की स्क्रीनिंग की गई।

### असम की राजनीति में भूचाल भूपेन बोरा ने कांग्रेस छोड़ी सीएम हिमंत ने कसा तंज

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। सूत्रों के मुताबिक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोराह ने इस्तीफा दे दिया है। बोराह ने अपने इस फैसले के लिए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की मनमानी को जिम्मेदार ठहराया है। यह घटनाक्रम प्रियंका गांधी के असम दौरे से कुछ ही दिन पहले सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, बोराह ने अपना इस्तीफा पत्र कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजा। उन्होंने राहुल गांधी को भी पत्र लिखा।

### अबू सलेम की रिहाई की उम्मीदों पर फिरा पानी,सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली। गैंगस्टर अबू सलेम को बड़ा झटका लगा है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने 1993 के मुंबई बम धमाकों के मामले में उसकी रिहाई की याचिका खारिज कर दी है। अदालत के इस फैसले का मतलब है कि सलेम कानूनी कार्यवाही जारी रहने तक हिरासत में ही रहेगा। 4 नवंबर, 1993 को मुंबई बम विस्फोट मामले में मुंबई पुलिस द्वारा दायर पहली चार्जशीट में अबू सलेम, या अबू सलेम अब्दुल कयूम अंसारी, को एक फरार आरोपी के रूप में नामित किया गया था। पुलिस ने दावा किया कि सलेम को हथियार ले जाने और छिपाने का काम सौंपा गया था और वह धमाकों की साज़िश से जुड़ा था।

## 'स्वार्थ नहीं, जुड़ाव ही समाज की पहचान',गोरखपुर में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दिया सद्भाव का मंत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को गोरखपुर दौरे के दौरान एक सामाजिक सद्भाव सम्मेलन में भाग लिया। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया था। संघ सूत्रों के अनुसार, आरएसएस प्रमुख ने बाबा गंभीर नाथ सभागार में आयोजित सामाजिक सद्भाव सम्मेलन में प्रमुख नागरिकों और स्वयंसेवकों को संबोधित किया। सम्मेलन से पहले, उन्होंने दीप प्रज्वलित करके संघ की 100 वर्षीय यात्रा और 'पंच परिवर्तन' विषय पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद, भगवत ने प्रदर्शनी का दौरा किया और संघ के शताब्दी वर्ष के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के गोरख प्रांत द्वारा संगठन की शताब्दी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में आयोजित 'सामाजिक सद्भाव' सम्मेलन को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से। उन्होंने कहा कि कई देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है।

## 9 जजों की संविधान पीठ 7 अप्रैल से करेगी सुनवाई, तय होगी महिलाओं के प्रवेश की वैधता

नई दिल्ली। केरल के पहाड़ी तीर्थस्थल सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश की वैधता से संबंधित पुनर्विचार याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू करेगी। पीठ ने पक्षों को लिखित दलीलें प्रस्तुत करने के लिए 14 मार्च की समय सीमा निर्धारित की है और सुनवाई 22 अप्रैल तक समाप्त होने की उम्मीद है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने सोमवार को आदेश दिया कि इस मामले को नौ न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए, जिसकी संरचना मुख्य न्यायाधीश द्वारा एक प्रशासनिक आदेश के माध्यम से अधिसूचित की जाएगी। यह मामला सितंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले से जुड़ा है, जिसने सभी उम्र की महिलाओं को सबरीमाला में प्रवेश की अनुमति दी, और उस लंबे समय से चली आ रही प्रथा को पलट दिया जिसके तहत मासिक धर्म वाली उम्र की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश करने से रोका जाता था। 2018 का फैसला पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ

ने 4:1 के बहुमत से सुनाया था। इस फैसले के बाद केरल भर में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्तियों और संगठनों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं। नवंबर 2019 में सर्वोच्च न्यायालय ने इन पुनर्विचार याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया, लेकिन इस मुद्दे का कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया। न्यायालय ने संकेत दिया कि आवश्यक धार्मिक प्रथाओं और संवैधानिक अधिकारों से संबंधित व्यापक कानूनी प्रश्नों की जांच के लिए एक बड़ी पीठ की आवश्यकता है। नौ न्यायाधीशों की पीठ सात विशिष्ट कानूनी प्रश्नों की जांच करेगी, जिनमें धार्मिक स्वतंत्रता का दायरा, अनुच्छेद 25 के तहत व्यक्तिगत अधिकारों और अनुच्छेद 26 के तहत धार्मिक संप्रदायों के अधिकारों के बीच परस्पर संबंध, और क्या ये अधिकार अन्य संवैधानिक प्रावधानों के अधीन हैं, शामिल हैं।

# अत्यंत शक्तिशाली देश...मोदी के आने से पहले इजरायल का भारत पर बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। भारत और इजराइल के संबंध बेहद अच्छे हैं और इसी पर बात करते हुए इजराइली प्रधानमंत्री भारत और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कर रहे हैं। अपने इस भाषण में नेतन्याहू बात करते दिख रहे हैं। दरअसल , नेतन्याहू का यह वीडियो सामने आया है जिसमें वह मन से कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि अगले हफ्ते यहां कौन आ रहा है? नरेंद्र मोदी इजराइल और भारत के बीच जबरदस्त गठबंधन है। आपको याद दिला दें 2017 में पीएम मोदी की ऐतिहासिक इजराइल यात्रा ने दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाई दे दी थी। अब नेतन्याहू ने अपने बयान में यह भी कहा है कि कई देश हैं जो इजराइल के साथ रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में निवेश करना चाहते हैं। जहां वो जर्मनी का जिक्र भी करते हैं। लेकिन जिस अंदाज में उन्होंने

भारत का नाम लिया उससे यह साफ है कि भारत उनके लिए सिर्फ एक साझेदार नहीं बल्कि एक स्ट्रेटेजिक पिलर बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी की इजराइल यात्रा से दोनों देशों के बीच रणनीतिक, रक्षा और तकनीकी संबंधों को नई गति मिलने की उम्मीद है। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी की अपने तीसरे कार्यकाल में इजराइल की यह पहली यात्रा होगी।प्रधानमंत्री मोदी ने आखिरी बार 2017 में इजराइल का दौरा किया था, जो दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 25 साल पूरे होने का प्रतीक था। अपनी पिछली यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू ने रक्षा, साइबर सुरक्षा, कृषि और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर बातचीत की थी। पिछले साल नवंबर में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की इजराइल यात्रा के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद, सितंबर में इजराइल के वित्त मंत्री बेज़लेल स्मोट्रिच की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने एक द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए। सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, उसी वर्ष गोयल की यात्रा के दौरान, भारत और इजराइल ने रक्षा, औद्योगिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ाने के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए, जिससे सह-विकास और सह-उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी साझाकरण संभव हो सकेगा।

## विदेशी पर्यटकों से हैवानियत, 3 दोषियों को मिली सज़ा-ए-मौत

नई दिल्ली। कर्नाटक के गंगावती जिले की एक अदालत ने हम्पी के पास एक विदेशी महिला के साथ बलात्कार और एक विदेशी पर्यटक की हत्या के मामले में तीन दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। इस मामले ने पूरे देश में आक्रोश पैदा कर दिया था। 6 फरवरी को प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने तीनों आरोपियों को दोषी पाया था। 16 फरवरी को फैसला सुनाते हुए न्यायाधीश सदानंद नागप्पा नाइक ने दोषियों को मौत की सजा दी। मल्लेश उर्फ ??हांडीमल, साई और शरणप्पा नाम के इन तीनों व्यक्तियों को इस जघन्य अपराध में संलिप्तता के लिए मौत की सजा सुनाई गई है। यह मामला विश्व प्रसिद्ध हम्पी के पास एक इजरायली महिला के बलात्कार और एक अमेरिकी पर्यटक की हत्या से जुड़ा है। हमले की प्रकृति और हिंसक हत्या ने व्यापक आक्रोश पैदा किया और कड़ी सजा की मांग उठाई गई।इससे पहले 6 फरवरी को, कोप्पल जिले की एक अदालत ने हम्पी के पास दो महिलाओं (जिनमें एक विदेशी नागरिक भी शामिल थी) के साथ सामूहिक बलात्कार और एक पुरुष पर्यटक की हत्या के मामले में तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अदालत दोषियों की सुनवाई के बाद 16 फरवरी को फैसला सुनाएगी। यह घटना पिछले साल मार्च में विश्व धरोहर स्थल हम्पी के पास, सनापुरा में तुंगभद्रा के बाएं किनारे की नहर के पास हुई थी। पुलिस के अनुसार, दोषी ठहराए गए तीनों आरोपियों ने 6 मार्च, 2025 की रात को दो महिला पीड़ितों (एक इजरायली पर्यटक और एक होमस्टे संचालक) और उनके तीन अन्य पुरुष पर्यटक मित्रों से पैसे की मांग की। पैसे न देने पर, तीनों ने कथित तौर पर तीन पुरुष पर्यटकों को नहर में धकेल कर हमला किया और दोनों महिलाओं (इजरायली पर्यटक और होमस्टे संचालक) का यौन उत्पीड़न किया।

## ढाका में तारिक रहमान का शक्ति प्रदर्शन? शपथ ग्रहण में नेपाल समेत कई दक्षिण एशियाई नेताओं को न्योता

नई दिल्ली। नेपाल के विदेश मंत्री बाला नंदा शर्मा सोमवार को बांग्लादेश के ढाका के लिए रवाना हुए। वे बांग्लादेश की नव निर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान में आगे कहा गया है कि विदेश मंत्री की यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा नेपाल और बांग्लादेश के बीच सहयोग के बंधन को गहरा करने के प्रति नेपाल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शर्मा के साथ मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी यात्रा के दौरान मौजूद रहेंगे और वे 19 फरवरी, 2026 को काठमांडू लौटेंगे।बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान मंगलवार को बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। तारिक रहमान और उनके मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में दक्षिण एशियाई नेताओं को आमंत्रित किया गया है। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री

के रूप में बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान सोमवार को अपने मंत्रिमंडल के साथ शपथ ग्रहण करेंगे। दक्षिण एशियाई नेताओं को समारोह में आमंत्रित किया गया है और कई निमंत्रण पत्र भेजे जा चुके हैं।हालांकि, उन देशों में सप्ताहांत की छुट्टियों के कारण इसमें कुछ समय लग सकता है और नेताओं, विशेष रूप से प्रधानमंत्रियों की उपस्थिति उस समय उनकी उपलब्धता पर निर्भर करेगी,' एक विश्वसनीय सूत्र ने शनिवार रात एएनआई को बताया।नए प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य आमतौर पर बांग्लादेश के राष्ट्रपति भवन, बंगभवन के दरबार हॉल में शपथ लेते हैं।हालांकि, इस बार शपथ ग्रहण समारोह जातीय संसद भवन के दक्षिण प्लाजा में आयोजित किया जाएगा। बांग्लादेश सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एएनआई को बताया कि समारोह में अधिक अतिथियों को आमंत्रित किए जाने के कारण दरबार हॉल में इतनी बड़ी संख्या में लोगों के बैठने की जगह नहीं है, इसलिए समारोह जातीय संसद भवन के दक्षिण प्लाजा में आयोजित किया जा रहा है।

### राजपाल यादव को मिलेगी जमानत? दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव अभी भी तिहाड़ जेल में हैं क्योंकि दिल्ली उच्च न्यायालय ने चेक बाउंस मामलों में लगभग 9 करोड़ रुपये के बकाया भुगतान के लिए उनकी याचिका खारिज कर दी है। इससे पहले, 12 फरवरी को उनकी अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए, उच्च न्यायालय ने शिकायतकर्ता को जवाब दाखिल करने के लिए कहा और अगली सुनवाई आज, 16 फरवरी, 2026 को निर्धारित की। राजपाल यादव को ऋण देने वाली कंपनी मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया है कि उन्होंने अपना जवाब दाखिल कर दिया है। हालांकि, यह अभी तक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हुआ है।

## राज्यपाल के अभिभाषण पर सीएम सुक्खू का पलटवार कहा-आरडीजी हिमाचल का हक है, कोई भीख नहीं

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला द्वारा विधानसभा में पूर्ण भाषण न देने के फैसले के बाद, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को कहा कि यह कदम 'कोई अपवाद नहीं' है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) का मामला राज्य के अधिकारों से संबंधित है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन शिमला में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सुक्खू ने कहा कि अतीत में भी राज्यपालों ने भाषण के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया था। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का भाषण न देना कोई अपवाद नहीं है। पहले भी राज्यपालों ने भाषण नहीं दिया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह मुद्दा राज्य सरकार द्वारा सहायता मांगने का नहीं, बल्कि हिमाचल प्रदेश के वित्तीय अधिकारों की रक्षा करने का है। 'यह सरकार का मामला नहीं है। आरडीजी हमारा अधिकार है। हम कोई दान नहीं मांग रहे हैं। राज्य के अधिकारों का हनन न करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य होने के कारण राजस्व सृजन क्षमता के मामले में बड़े राज्यों से तुलना नहीं की जा सकती। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की अनूठी वित्तीय चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक पहाड़ी राज्य होने के नाते, इसकी राजस्व सृजन क्षमता बड़े राज्यों की तुलना में सीमित है। आप 17 राज्यों की बात करते हैं, लेकिन हिमाचल की तुलना उनसे नहीं की जा सकती। उन राज्यों में बड़ी परियोजनाएं और मजबूत राजस्व आधार हैं। हिमाचल एक पहाड़ी राज्य है जहां प्राकृतिक संसाधनों और भौगोलिक बाधाओं के कारण राजस्व सृजन स्वाभाविक रूप से सीमित है। 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के बाद आरडीजी (अंतर्राष्ट्रीय विकास योजना) को समाप्त किए जाने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्य रूप से इस मुद्दे पर विचार-विमर्श करने के लिए तीन दिवसीय विधानसभा सत्र बुलाया है। उन्होंने आगे कहा कि हमने आरडीजी पर चर्चा करने के लिए यह तीन दिवसीय सत्र बुलाया है। मुझे उम्मीद है कि भाजपा दलीय भेदभाव से ऊपर उठकर राज्य के अधिकारों की बहाली के लिए केंद्र सरकार से संपर्क करने में हमारा साथ देगी।

## डेटा संरक्षण अधिनियम पर बड़ा सवाल,सुप्रीम कोर्ट ने आरटीआई को लेकर केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के कई प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर विचार करने की सहमति दी। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने विवादित प्रावधानों पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया और कहा कि 'जब तक हम मामले की सुनवाई नहीं करते, तब तक अंतरिम आदेश द्वारा संसद द्वारा लागू की गई व्यवस्था को रोका नहीं जा सकता। मामले की सुनवाई करते हुए, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों में संशोधन को लेकर डीपीडीपी अधिनियम और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम 2025 के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली

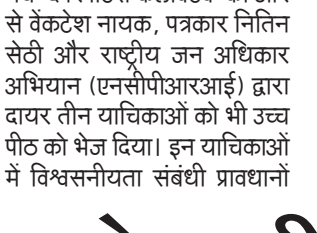

याचिकाओं पर केंद्र को नोटिस जारी किया।पीठ ने डिजिटल समाचार मंच 'द रिपोर्टर्स कलेक्टिव' की ओर से वेंकटेश नायक, पत्रकार नितिन सेठी और राष्ट्रीय जन अधिकार अभियान (एनसीपीआरआई) द्वारा दायर तीन याचिकाओं को भी उच्च पीठ को भेज दिया। इन याचिकाओं में विश्वसनीयता संबंधी प्रावधानों पर चिंता जताई गई है, जो केंद्र सरकार को किसी भी डेटा विश्वसनीय संस्था से अपने विवेकानुसार डेटा प्राप्त करने की अनुमति देते हैं। पीठ ने कहा कि यह मामला 'जटिल और संवेदनशील मुद्दों' से संबंधित है और इसमें दो परस्पर विरोधी मौलिक अधिकारों, सूचना के अधिकार और निजता के अधिकार के बीच संतुलन बनाना शामिल है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, यह परस्पर विरोधी हितों के बीच संतुलन बनाने का मामला है। हमें सभी पहलुओं को स्पष्ट करना होगा और यह निर्धारित करना होगा कि व्यक्तिगत जानकारी क्या होती है। हालांकि, बेंच ने कहा कि नए विधायी ढांचे की गहन और नए सिरे से जांच आवश्यक है।

### बम की धमकी से हड़कंप बम दस्ता और डॉग स्क्वॉड ने संभाला मोर्चा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और अधिकारी परिसर की गहन तलाशी ले रहे हैं। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, अदालत को दो अलग-अलग ईमेल के जरिए धमकियां मिलीं। पहले ईमेल में सुबह 11:15 बजे विस्फोट की चेतावनी दी गई थी, जबकि दूसरे में दोपहर 12:15 बजे विस्फोट होने की बात कही गई थी। पुलिस अदालत परिसर की तलाशी ले रही है और बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) और खोजी दस्ते को भी तैनात किया गया है।

## हिमाचल में राज्यपाल और सरकार में बढ़ा टकराव

### शिव प्रताप शुक्ला ने अधूरा छोड़ा अभिभाषण

नई दिल्ली। राजभवन और हिमाचल सरकार के बीच बढ़ती दरार को रेखांकित करते हुए एक घटनाक्रम में, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने सोमवार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन अपना निर्धारित पूर्ण राज्यपाल अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर दिया। सदन को संक्षिप्त रूप से संबोधित करते हुए राज्यपाल शुक्ला ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मुझे इसे पढ़ना चाहिए, और विशेष रूप से यह बताया कि तैयार अभिभाषण में संवैधानिक संस्थाओं पर टिप्पणियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भाषण का शेष भाग मुख्य रूप से राज्य सरकार की उपलब्धियों और उसके भविष्य के रोडमैप से संबंधित है, जिस पर सदन स्वतंत्र रूप से विचार-विमर्श कर सकता है। राज्यपाल ने

सदस्यों को अभिवादन करते हुए अपना संक्षिप्त भाषण समाप्त करने से पहले कहा कि अभिभाषण का शेष भाग सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की उपलब्धियों से संबंधित है, जिन पर मुझे पूरा विश्वास है कि सदन विचार-विमर्श करेगा। 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के बाद हिमाचल प्रदेश को मिलने वाले राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) को बंद किए जाने को लेकर बढ़े राजनीतिक तनाव के बीच यह संक्षिप्त भाषण आया है।

आरडीजी का मुद्दा राज्यपाल के तैयार भाषण का प्रमुख विषय रहा, जिसे उन्होंने पढ़ा नहीं। राज्य सरकार के अनुसार, आरडीजी को बंद करने से राज्य के खजाने को सालाना लगभग 10,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। आरडीजी पहले राज्य के कुल बजट का लगभग 12.7 प्रतिशत था और देश में सबसे अधिक था। गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रही राज्य सरकार ने राजस्व घाटा अनुदान को बंद करने के मुद्दे पर विधानसभा में चर्चा कराने के लिए नियम 102 के तहत एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राज्य के अपने संसाधन लगभग 18,000 करोड़ रुपये हैं, जबकि वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान, ऋण चुकौती, सब्सिडी और सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित प्रतिबद्ध व्यय लगभग 48,000 करोड़ रुपये है। केंद्रीय करों के हस्तांतरण में राज्य का हिस्सा लगभग 13,950 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

## मीजिल्स-रूबेला टीकाकरण अभियान का हुआ शुभारम्भ

चित्रकूटः मीजिल्स-रूबेला के बढ़ते मामलों की रोकथाम के लिए प्रदेश सरकार के निर्देश पर जनपद में संचालित सभी सरकारी एवं प्राइवेट शिक्षण संस्थानों में पांच से 10 वर्ष आयु वर्ग के कक्षा एक से पांच तक अध्ययनरत विद्यार्थियों का स्कूल आधारित एमआर टीकाकरण अभियान का शुभारम्भ सोमवार को किया गया। यह अभियान आगामी 27 फरवरी तक संचालित किया जाएगा तथा इसके तहत सभी बच्चों को एमआर वैक्सीन लगाई जाएगी।

सोमवार को नगर क्षेत्र के धनुष चौराहा स्थित कम्पोजिट विद्यालय नयाबाजार में जिला बेसिक शिक्षाअधिकारी बीके शर्मा व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी प्रतिरक्षण डॉ जीआर रतमेले ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एमआर टीकाकरण अभियान का शुभारम्भ किया। इस दौरान आयोजित टीकाकरण सत्र में कुल लक्षित 69 बच्चों में से 35 बच्चों का एएनएम प्रियंका देवी द्वारा टीकाकरण किया गया।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार स्कूल आधारित एमआर टीकाकरण अभियान समस्त इकाईयो में सोमवार 16 फरवरी से प्रारम्भ होकर 27 फरवरी 2026 तक संचालित किया जाएगा। जिसके तहत स्कूलवार कार्ययोजना के अनुसार सत्र लगाकर एएनएम, आशा व आगनबाडी कार्यकत्रियों के सहयोग से बच्चों को निःशुल्क एमआर वैक्सीन लगाई जाएगी। बताया कि एमआर वैक्सीन से खसरा एवं रूबेला रोग से सम्पूर्ण सुरक्षा प्रदान होती है। अभियान के लिए जनपद में संचालित कुल 1207 सरकारी, प्राइवेट एंव मदरसो में अध्ययनरत बच्चे लक्षित है, जिन्हें एमआर वैक्सीन से प्रतिरक्षित किया जायेगा। बताया कि मीजिल्स (खसरा) अत्यधिक संक्रामक रोग है, इसमें रूबेला नाम का रोग, जिसके लक्षण खसरे के समान ही होते है इसे जर्मन मीजिल्स (खसरा) भी कहा जाता है, जो बच्चों व वयस्कों में होता है। रूबेला संक्रमण से गर्भपात, जन्मजात विकलांगता, मृत प्रसव एवं मानसिक विकास अवरूद्ध हो जाता है। साथ ही नवजात शिशु की ऑखो में भी विकार आ जाता है। सीएमओ ने सभी अभिभावको से अपील की है कि वह अपने बच्चों को एमआर वैक्सीन अवश्य लगवाएं तथा दूसरों को भी वैक्सीन लगवाने के लिए जागरूक करें ताकि जनपद को मीजिल्स-रूबेला मुक्त किया जा सके।

इस मौके पर डॉ श्याम जाटव एसएमओ डब्लूएचओ, दिलीप द्विवेदी डीएमसी यूनीसेफ, धीरेन्द्र प्रताप सिंह जिला समन्वयक जेएसआई, शिवम एफएम डब्लएचओ, नरोत्तमसिंह जिला डाटा सहायक आरआई, रूपनारायण यादव जिला समन्वयक एनयूएचएम, गर्व तिवारी लेखा सहायक एनयूएचएम, अभिनंदन सिंह फार्मासिस्ट शहरी पीएचसी कर्वी, स्वास्थ्य कर्मी रतनधुरिया, इमरॉन हुसैन आदि मौजूद रहे।

## सऊदी अरब में मौत के 120 दिन बाद रांची पहुंचा शव, परिवार ने मुआवजे के लिए लेने से किया इनकार

नई दिल्ली। झारखंड के गिरिडीह के एक प्रवासी मजदूर की सऊदी अरब में अपराधियों और पुलिस के बीच हुई गोलीबारी में फंसने के बाद मौत हो गई। घटना के 120 दिन बाद उनका शव भारत लौटा। मृतक विजय कुमार महतो, 27 वर्ष, सऊदी अरब में एक बिजली पारेषण परियोजना पर काम कर रहे थे। उनके परिवार के अनुसार, 15 अक्टूबर को एक डिलीवरी असाइनमेंट के दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच हुई गोलीबारी में उन्हें गोली लग गई। बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया। उनका शव महीनों बाद रांची हवाई अड्डे पर पहुंचा, जिससे डुमरी ब्लॉक में स्थित उनके पैतृक गांव में शोक और आक्रोश फैल गया। परिवार के सदस्यों ने शुरू में शव लेने से इनकार कर दिया और नियोक्ता से मुआवजे और जवाबदेही के बारे में स्पष्टता की मांग की।उनकी पत्नी बसंती देवी ने बताया कि दंपति के दो छोटे बेटे हैं जिनकी उम्र सात और पांच साल है और आय का कोई स्थिर स्रोत नहीं है।

# परमात्मा की कृपा के बिना मानव को नहीं मिलता है सत्संग - सीताशरण

चित्रकूट।धर्मनगरी के सीतापुर स्थित रामायण मेला परिसर में चल रहें 53वें राष्ट्रीय रामायण मेले के दूसरे दिन सोमवार को श्रीराम कथा सत्र, विद्वत सभा व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्वानों, शोद्यार्थियों व कलाकरों ने अपनी विचारों व प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर दर्शकों का मनोरंजन किया।

द्वितीय दिवस आयोजित श्रीराम कथा सत्र में विभिन्न संतो, मनीषीयों, धर्माचार्यों एवं श्रीरामचरिण मानस पर शोध करने वाले शोद्यार्थियों अपने विचार व्यक्त किए। जिसमें छिंदवाडा के सीताराम शरण रामायणी ने बताया की सत्संग अति दुर्लभ है। परमात्मा की कृपा के बिना मानव को सत्संग नहीं मिलता और सत्संग के बिना मानव जीवन में सद विवेक नहीं प्राप्त होता। उन्होने संत और संता में भेद बताते हुए कहा कि जो दुसरों के दुख को देखकर दुखी हो जाए वह संत है और जो दूसरों के दुख को देखकर के उसके दुख का निवारण करने का प्रयास करे वह संता है। आचार्य रामलाल द्विवेदी प्राणेश ने श्रीरामचरित मानस को जीवन के संविधान सदृश बताया। शोधकर्ता डॉ हरि प्रसाद दुबे अयोध्या ने बताया कि प्राचीन बौद्ध साहित्य में रामकथा संबंधी तीन जातक सुरक्षित हैं।

इसके बाद हुई विद्वत गोष्ठी में सुल्तानपुर के डॉ कृष्णमणि चतुर्वेदी मैत्रेय ने हनुमान चलीसा की कुछ चौपाईयों में पाठ भेद की बात पर चर्चा करते हुए बताया कि हनुमान

चलीसा में 'शंकर सुवन केसरी नन्दन' पाठ ही प्रामाणिक है। यह पाठ सवत् 1934 सन 1877 में लिपिबद्ध लाल बन्द्री प्रसाद के हस्त लिखित हनुमान चलीसा से सिद्ध हो रहा है। इसके साथ ही प्रयागराज के संग्रहालय में रखे हनुमान चलीसा की प्राचीन प्रति में भी यही वर्णित है। बताया कि वर्तमान में जो 'शंकर स्वयं केसरी नन्दन' का पाठ प्रचारित हो रहा है। उसका मूल साक्ष्य आधार रहित है। बबेरू से मानस मर्मज्ञ लक्ष्मी प्रसाद शर्मा ने रामकथा की महत्ता पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रेम से श्रीराम नाम लेने से मोह के सम्पूर्ण दल को जीता जा सकता है। प्रमाण देते हुए कहा भगवान शिव ने श्रीराम नाम के प्रभाव से हलाहल विष को कण्ठ में ही रोक लिया। बताया कि विश्राम शब्द की रचना विष और राम से ही हुई है। बताया कि सम्पूर्ण लोकों को विश्राम देने वाला अगर कुछ है, तो वह राम नाम ही है। बाँदा के मानस किंकर कथा व्यास रामप्रताप शुक्ल ने कहा कि गोस्वामी तुलसी दास के अनुसार चित्रकूट धाम पर 53 वर्षों से रामायण मेले के पांच दिनों के लिए तीथों के राजा प्रयागराज का आगमन होता आ रहा है। आगे भी राष्ट्रीय रामायण मेला में होता रहेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रारम्भ लखनलाल यादव उनके साथी कलाकारों द्वारा बुन्देली गीतों के गायन से हुआ। उनके गीतों में बुन्देलखण्ड की संस्कृति की अनूठी झलक देखने को मिली। शरद अनुरागी का आल्हा गायन रोमांच और ओज से भरपूर रहा। श्रद्धा निगम के नृत्य कला गृह के कलाकारों ने निराला की रचना राम की शक्ति पूजा के नृत्य और अभिनय के माध्यम से जीवंत कर दिया। पूरे कार्यक्रम में करूणा और वीरता का अद्भुत आत्म संघर्ष राम में देखने को मिला। कजरी की क्वीन के नाम से प्रसिद्ध लोकगायिका संजोली पाण्डेय के लोकगीतों ने ऐसी शमा बाँधी कि सभागार में बैठे हजारों दर्शक झूम उठे, तालियों की आवाज निरन्तर चलती रही। अंत में श्री भू देव शर्मा की मंडली द्वारा प्रस्तुत रासलीला से दर्शक भक्ति रस में डूबे हुए दिखाई दिये। अंजली खन्ना और प्रीती लाल लखनऊ के गीतों की लोगों ने प्रशंसा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ करुणा शंकर द्विवेदी ने किया।

द्वितीय गोष्ठी में चित्रकूट के इतिहास पर चर्चा करते हुए प्रख्यात सहित्यकार डॉ चन्द्रिका प्रसाद दीक्षित ने कहा कि अनन्त और विघटन को रोक कर समाज को सही दिशा प्रदान करने में चित्रकूट की संस्कृति ही कार्य कर सकती हैं। वरिष्ठ पत्रकार सन्दीप रिछारिया ने कथन की पृष्टि करते हुए कहा की चित्रकूट से ही धर्म जीवित है और उसी से भविष्य भी सुरक्षित है। आज जब विश्व भटक रहा है तब चित्रकूट की परम्परा और उसके संस्कार ही मानवता कि दिशा दे सकती है। प्राचार्य सुरेन्द्र सिंह ने कहा धर्म के दान की परम्परा प्राचीन समय से चलती रही है। आज समाज स्वार्थ से संकीण होता जाता है। उसे अपने दान की परम्परा को नहीं भूलना चाहिए। असम गुवाहाटी से पधारे आचार्य देवेन्द्र चन्द्र दास सुदामा ने व्याख्यान सभा में बताया कि कलयुग में नाम ही परम धर्म है। डॉ आद्या प्रसाद सिंह प्रदीप ने कहा कि राम कथा लोक गीतों के प्रत्येक प्रसंग कार्यों में पाई जाती है। पवन कुमार सिंह सुल्तान पुर, ओम अनादि गुप्त अम्बेडकर नगर, डॉ मूलचन्द्र शुक्ल उत्तराखण्ड, डॉ राम प्यारे सुल्तानपुर आदि ने अपने शोध परक बयान प्रस्तुत किये। संचालन डॉ चन्द्रिका प्रसाद दीक्षित ललित ने किया।

इस मौके पर राष्ट्रीय रामायण मेला के कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत करवरिया, महामंत्री करुणा शंकर द्विवेदी, प्रचार मंत्री राजाबाबू पान्डेय, प्रद्युम्न कुमार दुबे, मनोज गर्ग, सतेन्द्र पाण्डेय, ज्ञानचन्द्र गुप्ता, मोहम्मद यूसुफ, मोहम्मद इम्तियाज, राजेन्द्र मोहन त्रिपाठी, विनोद पाण्डेय, दद्दू महराज, कलिमुत दीन बेग, नत्थू प्रसाद सोनकर, विकास आदि मौजूद रहे।

# रोजी-रोटी की गारंटी को खत्म करने कुचक्र रच रही केंद्र सरकार : राजेश

बांदा। कांग्रेस ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए 17 फरवरी को लखनऊ में विधानसभा घेराव का ऐलान किया है। जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित मीडिया वार्ता के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि जब तक मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में बहाल नहीं किया जाता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। दावा किया कि 17 फरवरी को प्रस्तावित विधान सभा घेराव में जिले से सैकड़ों कार्यकर्ता भागीदारी करेंगे। उन्होंने मोदी सरकार पर गरीबों की रोजी-रोटी छीनने का आरोप लगाया।

स्टेशन रोड अवस्थी धर्मशाला स्थित कांग्रेस कार्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा कि यूपीए-1 सरकार ने 20 वर्ष पहले मनरेगा लागू कर काम के अधिकार को साकार किया था। ग्राम पंचायतों को गांव स्तर की परियोजनाओं पर निर्णय लेने का अधिकार देकर पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत किया गया। कोविड-19 महामारी के दौरान ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए मनरेगा जीवन रेखा साबित हुई। आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार देश के गरीब तबके के लिए गरिमा, सुरक्षा और रोजगार की गारंटी देने वाले इस कानून को कमजोर करने और खत्म करने की साजिश कर रही है। जिलाध्यक्ष श्री दीक्षित ने बताया कि मजदूर-विरोधी नियम लागू होने के बाद 3 जनवरी से पूरे देश में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' का बिगुल फूंक दिया गया है। पिछले एक महीने से गांधीवादी तरीके से विरोध प्रदर्शन जारी है। आंदोलन के दूसरे चरण में 17 फरवरी को लखनऊ में विधानसभा घेराव का कार्यक्रम घोषित किया गया है। बताया कि प्रस्तावित विधान सभा घेराव में जिले से सैकड़ों कार्यकर्ता भागीदारी करेंगे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष अफसाना शाह ने केंद्र की मोदी सरकार पर मजदूरों का हक छीनने का आरोप लगाया। कहा कि केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़कर राज्य सरकारों पर बोझ डालना चाहती है। मनरेगा कानून में बदलाव कर संघीय ढांचे को कमजोर करने का प्रयास कर रही है।

## कठौली गेट नंबर 26सी पर आरओबी अथवा अंडरपास बनाने हेतु सांसद ने संभाली कमान

मेजा। दिल्ली हावड़ा मुख्य रेल मार्ग का कठौली रेलवे क्रासिंग 26सी बीते दो वर्ष से चर्चा में है। रेल महकमे और स्थानीय प्रशासन द्वारा कठौली के आरओबी व अंडरपास के मुद्दे पर यूटर्न लेने से कठौली सहित आधा दर्जन गांव के लोग काफी परेशान हो रहे हैं। ग्राम पंचायत कठौली के पूर्व प्रधान एवं समाजसेवी हरिशंकर शर्मा (पप्पू भईया जी) की मांग पर प्रयागराज के सांसद कुंवर उज्ज्वल रमण सिंह ने रेल मंत्री को पत्र लिखकर दिल्ली हावड़ा रेल के गेट नंबर 26 सी पर आरओबी अथवा अंडरपास बनाने मांग जोरदारी से रखी है। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में समाजसेवी हरिशंकर शर्मा पप्पू भईया ने सांसद उज्जवल रमण को पत्र लिखकर कठौली के मुख्य निकास मार्ग पर रेल महकमे के द्वारा दीवार खड़ी करने पर सख्त एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि आंदोलनरत कठौली गांव सहित आधा दर्जन अन्य गांव के लोगों के सामने मौके पर आए अधिकारियों ने अंडरपास या आरओबी निर्माण का आश्वाशन दिया था लेकिन अधिकारियों ने आरओबी या अंडरपास बनाने के बजाय उक्त रेलवे क्रासिंग पर दीवार खड़ी कर ग्रामीणों के आवागमन का मुख्य रास्ता ही बंद कर दिया। जिसको लेकर रेल प्रशासन और स्थानीय प्रशासन के प्रति कठौली गांव के ग्रामीण बेहद आक्रोशित हैं। सबसे मजे की बात तो यह है कि ग्रामीणों के विरोध को दबाने के लिए रेलवे विभाग के अधिकारियों द्वारा स्थानीय पुलिस और प्रशासन की मदद से सख्ती दिखाई थी किंतु इस बेहद अहम मांग पर अड़े कठौली गांव के ग्रामीणों और अधिकारियों की बैठकें भी हुई अधिकारियों के आश्वाशन पर धरना प्रदर्शन तो ग्रामीणों ने समाप्त कर दिया था जिसके बाद इस अहम मुद्दे पर पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ नेता कुँवर रेवती रमण सिंह, तत्कालीन सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी, पूर्व विधायक स्व नीलम करवरिया,भाजपा नेता योगेश शुक्ल आदि ने भी आवाज उठाई लेकिन रेल विभाग अपने अड़ियल रुख पर अड़ा रहा।

# घुमंतू समाज को मुख्यधारा से जोड़ने और उनके उत्थान को संकल्पित है योगी सरकार-राज्यमंत्री असीम अरुण

सहारनपुर।घुमंतू समाज आभार स्वाभिमान रैली में जोगी समाज सहित घुमंतूओ की एकजुटता,अधिकारों और आर्थिक,राजनैतिक व सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।नवीन अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार घुमंतू समाज को मुख्यधारा से जोड़ने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने सभी से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज बनवाने को प्रेरित किया। कहा कि घुमंतू समाज कल्याण बोर्ड के गठन से समाज के उत्थान की दिशा में नई संभावनाएं बनी हैं।जाति प्रमाण पत्र से जुड़ी दिक्कतों को दूर करने के साथ ही उन्होंने पुलिस को निर्दोष लोगों के प्रति संवेदनशील रहने की सलाह दी।

क्षेत्र में एक करोड़ की लागत से बारातघर बनवाने की घोषणा की। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर के विचारों के अनरुप सामाजिक समरसता पर बल दिया। अखिल भारतीय घुमंतू महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन सुभाष जोगी ने कहा कि घुमंतू समाज लंबे समय तक उपेक्षा का सामना करता रहा है और अब संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए आगे आने की जरूरत है।विधायक किरत सिंह और नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी ने सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी देते हुए समाज के उत्थान के लिए सहयोग का भरोसा दिलाया। बागपत जिलाध्यक्ष वेदपाल जोगी ने संगठन की मजबूती और सामाजिक एकता पर जोर दिया। रैली संयोजक शिवम जोगी व सह संयोजक प्रवीण जोगी रहे, संचालन राजेश जोगी और सुनील जोगी ने किया। प्रवीण बंजारा ने भी अपने खुलकर विचार रखें।वही दीपक बवरिया मैं भी अपने समुदाय पर अत्याचारों का हवाला दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर जुग्माल जोगी द्वारा पगड़ी पहना कराई गई। मंच पर पप्पू कुंडी, मास्टर मोहर सिंह जोगी बिनपुर को समाज की पगड़ी एवं त्रिशूल भेट कर सम्मानित किया।? रैली पूरी तरह से ऐतिहासिक रही घुमंतू समाज से रैली स्थल खचाखच भरगया जब कुर्सियाँ कम पड गई तो सैकड़ों लोग साइडो में खड़े रहे भारी भीड़ देख आयोजको के चेहरे खिल उठे।

## सुबह धुंध के बाद खिली चटक धूप, रात के पारे में 1.5 डिग्री का उछाल

हरदोई मे मौसम के तेवर तेजी से बदल रहे हैं। शुक्रवार को जिले में सुबह की शुरुआत हल्की धुंध और ठिठुरन के साथ हुई, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही सूरज की तपिश ने सर्दी को बेअसर कर दिया। बीते 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे रातों में होने वाली ठिठुरन से लोगों को राहत मिली है। मौसम वेधशाला प्रेक्षक आरसी वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को अधिकतम तापमान 25.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस तक रहा। सुबह के समय आर्द्रता 84 प्रतिशत तक पहुंचने के कारण वातावरण में नमी और धुंध का प्रभाव देखा गया। आसमान साफ रहने के कारण दिन भर धूप खिली रही, जिससे पारा सामान्य से ऊपर बना हुआ है।

# महाशिवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाब,चौकस रहीं सुरक्षा

भदोही। जनपद में पावन महाशिवरात्रि पर्व हर्षोल्लास, आस्था एवं श्रद्धा के साथ शांतिपूर्वक एवं सकुशल संपन्न हुआ। समस्त प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी जहां भक्तों ने सुव्यवस्थित व्यवस्था के बीच सुगमता से जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ का दर्शन-पूजन किया। अधिकारियों ने प्रसिद्ध बाबा हरिहरनाथ मंदिर, ज्ञानपुर एवं बाबा सेमराधनाथ धाम पहुंचकर दर्शन-पूजन एवं जलाभिषेक किया तथा जनपदवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। बाबा हरिहरनाथ मंदिर परिसर, जंगीगंज रेलवे हाल्ट मंदिर, ज्ञान सरोवर, सेमराधनाथ मंदिर एवं गंगा घाट का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बाबा सेमराधनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पीपा पुल पार कर मिर्जापुर जनपद से पहुंचे वहीं

प्रयागराज से भी श्रद्धालु नाव एवं अन्य साधनों के माध्यम से दर्शन हेतु पहुंचे। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम थे जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न नहीं हुई।

शिवधामों जैसे बाबा बड़े शिवधाम गोपीगंज, सीतामढ़ी मंदिर, चकवा महावीर मंदिर एवं द्वादश ज्योतिर्लिंग सुंदरवन कटेवना सहित समस्त शिवालयों में पूजन-अर्चन के साथ प्रसाद वितरण होता रहा। नगरों, बाजारों में शिव बारात की धूम रही।

सीवीओ डॉ.एके सचान एवं एसीवीओ डॉ.विनोद यादव द्वारा नंदी पूजन कर गुड़ एवं हरा चारा खिलाया गया जिससे पशु संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति सकारात्मक संदेश दिया गया। संपूर्ण आयोजन के दौरान प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण एवं साफ-सफाई की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की गई जिससे जनपद में महाशिवरात्रि का पर्व शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

# जिलाधिकारी ने झंडी दिखाकर एक्सपोजर विजिट बसों को किया रवाना

## एक्सपोजर विजिट को बेसिक शिक्षा विभाग ने अधिकृत की 16 बसें कस्तूरबा की छात्राएं झांसी का किला व संग्राहलय का करेंगी भ्रमण

बांदा। छात्राओं में जिज्ञासा और वैज्ञानिक मनोवृत्ति आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं के एक्सपोजर विजट बसों को जिलाधिकारी ने पं.जेएन डिग्री कालेज ग्राउंड से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विद्यालय की छात्राएं झांसी का किला व संग्राहलय का भ्रमण करेंगी।

शहर के पं.जेएन डिग्री कालेज ग्राउंड से शनिवार को सुबह जिलाधिकारी जे.रीभा ने समारोह के बीच झंडी दिखाकर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं के एक्सपोजर विजट वाहनों को रवाना किया। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अध्ययनत् बालिकाओं को एक्सपोजर विजिट के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने 16 बसें (प्रत्येक विद्यालय से दो बस) अधिकृत की गयी है। बालिकाओं की सुरक्षा-संरक्षा के दृष्टिगत सभी खंड शिक्षा अधिकारी, हरेक बस में चार विद्यालय स्टाफ, एक महिला व एक पुरुष पुलिस कर्मी और कार्यालय स्टाफ की तैनाती की गयी है। राज्य परियोजना कार्यालय के निर्देश के मुताबिक जिले के सभी ब्लाकों में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में कक्षा 6 से 8 तक अध्ययनरत् छात्राएं एक दिवसीय एक्सपोजर विजट पर झांसी का किला और संग्राहलय का भ्रमण करेंगी। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी अव्यक्तराम तिवारी ने बताया कि इसका उद्देश्य छात्राओं में जिज्ञासा और वैज्ञानिक आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने, पाठ्यपुस्तकों में इतिहास और विज्ञान के सिद्धातों को साक्षात देखने और महारानी लक्ष्मीबाई जैसे ऐतिहासिक चरित्रों से प्रेरणा लेकर लेकर आत्मविश्वास बढ़ाना है। इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उनके दृष्टिकोण का विस्तार होता है। उन्होंने आगे बताया कि राज्य परियोजना कार्यालय की ओर से कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान मंओ रखते हुए एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नई सीख और अनुभव प्राप्त होंगे, जो उनके भविष्य निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे। इस मौके प मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडेय और जिला बेसिक शिक्षाधिकारी कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

**समाधान दिवस में सुनीं फरियाद, थाने का किया निरीक्षणः** जिलाधिकारी जे.रीभा ने संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान चिल्ला थाने में लोगों की समस्याएं सुनते हुए थाना का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। थाना क्षेत्र के बगिया गांव जमीन पर कब्जा किए जाने की शिकायत पर लेखपाल, कानूनगो व पुलिस टीम को मौके पर भेज कर निस्तारण करने के निर्देश दिए। थाना का निरीक्षण करते हुए कंप्यूटर कक्ष, आरक्षित बैरक व कार्यालय में व्यवस्थाएं देखीं। त्यौहार, मुकदमा व समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायत रजिस्टर, महिला हेल्प डेस्क का जायजा लिया। क्षेत्र में अपराध की स्थिति के बारे में जानकारी ली। संबंधित पुलिस अधिकारियों को क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। इस मौके पर थानाध्यक्ष अर्पित पांडेय सहित अन्य पटल सहायक पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

## त्योहारों को लेकर नकुड़ में शांति समिति की बैठक आयोजित

**ब्यूरो चीफ -अशवनी रोहिला**

सहारनपुर। उप जिला अधिकारी नकुड़ सुरेंद्र कुमार और क्षेत्राधिकारी नकुड़ रूचि गुप्ता ने थाना परिसर नकुड़ में आगामी त्योहार महाशिवरात्रि और रमजान ईद के दृष्टिगत शांति समिति की बैठक आयोजित की। बैठक में मौजूद व्यक्तियों से आगामी त्योहार से पहले कोई भी विवाद या वर्तमान में कोई भी समस्या आदि के संबंध में जानकारी ली गई। उप जिला अधिकारी नकुड़ सुरेंद्र कुमार ने कहा कि आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से मनाने के लिए सभी को सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या विवाद होने पर तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचित करें। उन्होंने उच्च अधिकारियों के आदेशों और निर्देशों को भी अवगत कराया।क्षेत्राधिकारी नकुड़ रूचि गुप्ता ने कहा कि त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हम सभी के सहयोग से त्योहारों को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से मनाएंगे। उन्होंने सभी से अपील की कि वे अफवाहों से बचें और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

# त्रिलोकपुर में बजट पर चर्चा व जनसुनवाई संपन्न

भदोही। सांसद डॉ.विनोद बिंद की अध्यक्षता तथा विधायक औराई दीनानाथ भास्कर की गरिमामयी उपस्थिति में ब्लाक औराई अंतर्गत संत गुरु रविदास कुटिया त्रिलोकपुर में केंद्र एवं प्रदेश सरकार के बजट पर चर्चा, जनसुनवाई, विधानसभा चौपाल, ब्लाक स्तरीय रबी गोष्ठी, रबी कृषि निवेश मेला एवं बिजली बिल एकमुश्त समाधान कैंप का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एव संत गुरु रविदास के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उपस्थित किसानों, ग्रामीणों एवं लाभार्थियों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। सांसद ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट किसानों, युवाओं, महिलाओं एवं गरीब वर्ग के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है जिसके लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन अत्यंत

आवश्यक है। विधायक दीनानाथ भास्कर ने कहा प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादन में वृद्धि करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। रबी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु वैज्ञानिक खेती, उन्नत बीजों के प्रयोग एवं आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर बल दिया। जनसुनवाई एवं विधानसभा चौपाल में आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये गये। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति विश्वास एवं संतोष का भाव देखने को मिला। रबी गोष्ठी एवं कृषि निवेश मेले में कृषि विभाग के विशेषज्ञों द्वारा किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, फसल सुरक्षा, बीज चयन, उर्वरक प्रबंधन एवं कीट नियंत्रण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बिजली बिल एकमुश्त समाधान कैंप के माध्यम से उपभोक्ताओं को बकाया विद्युत बिलों के निस्तारण हेतु विशेष छूट एवं सुविधाएं प्रदान की गईं जिससे बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने लाभ उठाया। इस दौरान दीपक मिश्रा, डीडी कृषि अश्वनी सिंह, बीडीओ दिलीप कुमार, अधिशासी अभियंता विद्युत आरके मौर्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, क्षेत्रीय गणमान्य व्यक्ति, किसान एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

# महाशिवरात्रि के पर्व पर तीन दिवसीय मेले का आयोजन

सहारनपुर। महाभारत कालीन प्राचीन शिव मंदिर बरसी में महाशिवरात्रि के पर्व पर तीन दिवसीय मेले का आयोजन होता है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सुरेंद्र कुमार ने शिव मंदिर का निरीक्षण किया और मेले की तैयारियों का जायजा लिया। इससे पूर्व एसएसपी सहारनपुर अभिनंदन सिंह और एसपी देहात सागर जैन आदि अधिकारी भी बरसी मेले की व्यवस्था का जायजा ले चुके हैं। उन्होंने मेला परिसर का दौरा कर अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से सुचारु रखने के निर्देश दिए थे।उपजिलाधिकारी सुरेंद्र कुमार ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को महाशिवरात्रि के पर्व पर शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से मेले का आयोजन करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।मेला प्रभारी प्रमोद कुमार ने कहा कि कानून व्यवस्था को बिगाड़ने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और पुलिस पूरी तरह से शांतिपूर्ण ढंग से मेले का संचालन करेगी। उच्च अधिकारियों के निर्देशों का पालन किया जाएगा।

# *महाशिवरात्रि पर आज शिवालयों में उमड़ेगा शिवभक्तों का भारी सैलाब*

बांदा। महाशिवरात्रि को लेकर जिले के सभी शिवालयों को रंगरोगन आदि से सजाया और संवारा गया है। महाशिवरात्रि पर्व पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष व्रत रखेंगे। शाम को स्नान आदि के बाद पूजा होगी। रात्रि के चार प्रहरों में हर प्रहर में शिव पूजा की जा सकती है। शिवलिंग पर बेल पत्र, पान, सुपाड़ी, रोली, मौली, चंदन, लौंग, इलायची, दूध, दही, शहद, धतुरा आदि अर्पित करने के साथ जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक किया जाएगा। पौराणिक मान्यता है कि महाशिवरात्रि पर भगवान शिव व माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन भगवान शिव और पार्वती की विधि-विधान से पूजा होती है। शहर के कैलाशपुरी स्थित वामदेवेश्वर मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। वामदेवेश्वर पहाड़ पर ऊंची चट्टानों के बीच वामदेव महादेव मंदिर शिव भक्तों का आस्था केंद्र होने के साथ ही प्राकृतिक रूप से भी आकर्षक है। रामायणकालीन इस भव्य मंदिर की स्थापना महर्षि वामदेव द्वारा बताई जाती है। कहा जाता है कि महर्षि बामदेव की तपस्या से यह शिवलिंग उत्पन्न हुआ था। कहते हैं कि वनवास के लिए चित्रकूट जाते समय श्रीराम और सीता ने इसी बामदेवेश्वर पर्वत में महर्षि बामदेव का आशीर्वाद लिया था और शिवलिंग की पूजा की थी। यह शिवलिंग चट्टानों के बीच 5 मीटर गुफा में है। कई अन्य मंदिर भी हैं। खास बात यह भी है कि मंदिरों में शिवलिंग के पास नंदी की मूर्ति होती है, लेकिन यहां नादिया के स्थान पर अखंड दीपक शुरू से ही जलता रहता है। महाशिवरात्रि पर तड़के से देर रात तक हजारों महिला-पुरुष गुफा तक पहुंचने के बाद शिवलिंग पर जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक कर पूजा अर्चना के लिए लंबी लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करेंगे। मंदिर के पुजारी पुत्तन तिवारी के बताते हैं रामायण काल में इस शिवलिंग का वर्णन है। बताया कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते उनकी सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

**कालिंजर में होगी नीलकंठेश्वर महादेव की पूजाः** ऐतिहासिक कालिंजर दुर्ग में स्थित नीलकंठेश्वर मंदिर के शिवलिंग का दुर्लभ और दिलचस्प इतिहास है। चट्टानों को काटकर बनाई गई प्रतिमाएं और शिल्प कृतियां बेहद आकर्षक हैं।

# सम्पादकीय

## केंद्र सरकार ने एआई से तैयार कंटेंट के लिए नियम कड़ा किया

केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई से तैयार कंटेंट के लिए डिजिटल नियमों को कड़ा कर दिया है। तकनीक के दुरुपयोग को रोकने के लिए इसकी सख्त जरूरत थी। ऑडियो, विडियो और तस्वीरों से छेड़छाड़ व फर्जी कंटेंट सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के साथ-साथ आम लोगों व देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। सोशल मीडिया पर कोई भी नियम लागू करने पर सबसे पहले अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सवाल उठाया जाता है, कि सरकार कहां तक निगरानी कर सकती है। इस लिहाज से नए नियम महत्वपूर्ण हैं, इनमें नियंत्रण से ज्यादा नियमन को तरजीह दी गई है। मकसद है, देखने वालों को असली और नकली के बीच का फर्क पता रहे, ताकि उसका इस्तेमाल किसी गलत काम के लिए न हो सके। नए नियमों के मुताबिक, एआई से तैयार कंटेंट पर हर हाल में लेबलिंग होनी चाहिए। यह भी जरूरी है कि कंटेंट आया कहां से है और अगर कोई सामग्री गैरकानूनी है तो उसे तीन घंटे के भीतर हटाना होगा। सरकार ने नियमों के पालन के लिए तय समय-सीमा भी घटाई है। ऑनलाइन चीजें जिस तेजी से वायरल होती हैं, उसे देखते हुए जरूरी था कि एक्शन की रफ्तार भी बढ़ाई जाए। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म और उनके सीनियर अधिकारियों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी डाली गई है, जो बिल्कुल ठीक है। ये कंपनियां हर बात में यूजर राइट्स और प्राइवेसी की आड़ लेकर बच नहीं सकतीं, उनकी भी जवाबदेही तय होना जरूरी है। भारत में दुनिया के सबसे ज्यादा सोशल मीडिया यूजर मौजूद हैं और 86प्रतिशत से ज्यादा घरों तक इंटरनेट पहुंच चुका है। डिजिटल इंडिया आज तरक्की का संकेत है, लेकिन इसके साथ चुनौतियां भी बढ़ी हैं। डीपफेक और एआई के जरिये ऑडियो-विडियो में छेड़छाड़ ऐसी ही एक गंभीर चुनौती है। सरकार से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक इस पर चिंता जाहिर कर चुके हैं। साल 2024 में साइबर क्राइम के 22.68 लाख केस सामने आए थे। कई सेलेब्स शिकायत कर चुके हैं कि उनकी तस्वीरों-विडियो का इंटरनेट पर गलत इस्तेमाल हुआ। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का विस्तार अभी शुरू हुआ है। इसके साथ देशों की राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था - सब कुछ नए ढंग से आकार ले रहा है। नई दिल्ली में अगले हफ्ते से एआई समिट होना है, जिसमें इस फील्ड के दिग्गज शामिल होंगे। सरकार के इंडिया एआई मिशन की सफलता के लिए यह सम्मेलन बेहद अहम है। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस में भारत ने अभी बस शुरुआत की है। सफर उम्मीद से बेहतर हो, इसके लिए बेहतर नियमन जरूरी है।

# योगी सरकार ने प्रस्तुत किया समग्र विकास का बजट

**मृत्युंजय दीक्षित**

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने 2027 में संभावित विधानसभा चुनावों से पूर्व 9 लाख करोड़ रु का अब तक का सबसे बड़ा बजट विधानसभा में प्रस्तुत किया है। सत्तापक्ष, विशेषज्ञ और मीडिया भी इस बजट की सराहना कर रहे हैं। परंपरागत रूप से विपक्ष इसकी आलोचना करते हुए इसे योगी सरकार का अंतिम बजट कह रहा है। योगीराज के इस बजट का आकार भारत के पड़ोसी राष्ट्रों पाकिस्तान और बांग्लादेश के बजट से भी कई गुना बड़ा है। यूपी में योगी बजट की एक और विशेष बात है कि किसी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लगातार 10वां बजट पेश हुआ हो ऐसा पहली बार हुआ है। अभी तक किसी भी मुख्यमंत्री को लगातार इतने बजट प्रस्तुत करने का सौभाग्य नहीं प्राप्त हुआ है।

यूपी के बजट में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट की छाप दिख रही है। योगी सरकार का चुनावी वर्ष के पूर्व का यह बजट प्रदेश को समस्त क्षेत्र में विकसित बनाने का आश्वासन देने वाला बजट है, समाज को संतुष्टि प्रदान करने वाला बजटहै । बजट में समाज के चार स्तंभों युवा, किसान, गरीब व महिलाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। बजट में सुशिक्षित समाज, स्वस्थ समाज, नारी सशक्तीकरण ,जल सरंक्षण, पर्यावरण संरक्षण पर पर्याप्त धन आबंटित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि यह बजट नारी

शक्ति, युवावर्ग, किसान, तथा वंचित वर्ग के उत्थान व खुशहाली को समर्पित है। यह विश्वस्तरीय अवस्थापना सुविधाएं, उत्कृष्ट निवेश का वतावरण, नारी समृद्धि के लिए अभूतपूर्व प्रयास, युवाओं को अद्वितीय अवसर, तकनीक संग रोजगार सृजन वाला बहुआयामी बजट है। योगी सरकार प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और यह बजट उसका प्रमाण है। सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट होने के बाद भी बजट में राजकोषीय अनुशासन पर बल दिया गया है और आधुनिकता पर भी ध्यान दिया गया है। सरकार लगातार बजट का आकार बड़ा करके प्रदेश के आर्थिक उन्नयन के लिए नई रणनीतियों के साथ अपनी व्यूह रचना को आगे बढ़ा रही है। महत्वपूर्ण बात है कि आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र के बजट में 76 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, कृषि के लिए 20 प्रतिशत सिंचाई एवं जल संसाधन के लिए विगत वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था की गई है। ग्राम पंचायतों के लिए भी सरकार ने खजाना खोल दिया है और इस बार उनके लिए बजट में 67 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। प्रदेश में विधानसभा चुनावों से पूर्व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव भी संभावित हैं जिनके कारण सरकार ने नई मांगो के अनुरूप सबसे अधिक 10,695 करोड़ रु की धनराशि पंचायती राज विभाग को आवंटित की है। इस वर्ष के बजट में कई नए क्षेत्रों का सृजन किया गया है व धन आवंटित कर उन्हे पोषित करने का प्रयास किया गया है। एआई तकनीक तथा डाटा सेंटर के साथ औद्योगिक विकास पर बल दिया गया है। एमएसएमई पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हर बार की तरह एक्सप्रेस वे योजनाओं को भी धन आवंटित कर विकास की गंगा बहाने पर ध्यान दिया गया है। बजट में 'एक जिला एक उत्पाद' व 'एक जिला एक व्यंजन' जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई हैं। विकास को गति देने के लिए हर जिले व क्षेत्र का ध्यान रखा गया है। पर्यटन के माध्यम से भी प्रदेश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने व युवाओं के लिए नये रोजगार सृजन पर बल दिया गया है। बजट को लेकर सरकारी पक्ष का जोरदार दावा है कि नए बजट से युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलने जा रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया है। बजट के माध्यम से सरकार ने किसानों को साधने के लिए बजट में बीज से बाजार तक की विस्तृत योजना के साथ धन का खजाना खोल दिया है। सरकार का जोर फसलों की गुणवत्ता और उत्पादकता पर तो है ही साथ ही वो किसानों को उद्यम, प्रसंस्करण और बाजार से भी जोड़ना चाहती है। प्रदेश के बजट में पशुधन एवं दुग्ध विकास को भी स्थान देते हुए निराश्रित गोवंश के लिए व्यवस्था की गई है। प्रदेश में 220 नई दुग्ध समितियां गठित करने की घोषणा की गई है। विकास कार्यों के लिए बजट में 19.5 प्रतिशत पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है जो आधारभूत ढांचे, औद्योगिक विकास, सड़क, ऊर्जा और शहरी ग्रामीण अधोसंरचना को गति प्रदान करेगा, इससे सम्बंधित 43.5 हजार करोड़ रु की नई योजनाएं बजट में आवंटित की गई हैं।

बजट में बताया गया है कि प्रदेश में हो रहे बदलावों के अनुसार किस प्रकार राजस्व जुटाने में एआई तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश, देश में आबकारी निर्यात नीति तैयार करने वाला पहला राज्य बना है । देश के मोबाइल निर्माण सेक्टर में 65 प्रतिशत मोबाइल यूपी में बन रहे हैं। 44.74 हजार करोड़ के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात से यूपी देश की ताकत बन चुका है। भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार तहसीलों के लिए योजना बनाई गई है और शिक्षा पर खर्च बढ़ाया गया है। योगी सरकार ने इस बजट में भाजपा शासित अन्य राज्यों की कई अच्छी विकास योजनाओं को भी समाहित करने का सफल प्रयास किया है, जिसमें राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कूटी योजना एक प्रमुख उदाहरण है। प्रदेश के लघु उद्यमी बजट से खुश नजर आ रहे हैं। उद्योगपतियों का कहना है कि बजट में हस्तकरघा और अन्य योजनाओं को काफी धन मिला है। महिलाएं व युवा भी बजट का अपने अपने अनुसार स्वागत कर रहे हैं । बजट से कोई निराश दिख रहा है तो वो विरोधी दल ही हैं।

# बांग्लादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ

**कमलेश पांडे**

बांग्लादेश में प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने फरवरी 2026 के संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की है। उसने 300 सीटों में से 151 से 209 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। इससे बंगलादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ स्पष्ट हैं, क्योंकि यह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के पतन के बाद पहला बड़ा चुनाव है, जो 2024 के छात्र-आंदोलन से उभरा था।

चूंकि बीएनपी पहले से सत्ता में रहती आई है, इसलिए उसकी जीत के वैश्विक मायने भी हैं। वह यह कि पार्टी कमोबेश पूर्व प्रधानमंत्री स्व.बेगम खालिदा जिया के अधूरे सपनों को ही साकार करेगी। वो भी तब जब उनके पुत्र तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। देखा जाए तो बीएनपी ने जमात-ए-इस्लामी को काफी पीछे छोड़ते हुए प्रचंड जीत दर्ज की है, जहां जमात को महज 42-68 सीटें ही मिलीं हैं। इसप्रकार तारिक रहमान, जो कि बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, देश के संभावित प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफ हैं। भले ही भारत-बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण। इसलिए उनकी जीत से भारत को सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अस्थिरता और चरमपंथी समूहों की चिंता बढ़ सकती है, हालांकि बीएनपी समानता-आधारित संबंधों का वादा कर रही है। खासकर हसीना युग के बाद विदेश नीति में बदलाव से व्यापार, जल बंटवारा और कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है। वहीं बीएनपी की जीत से दुनिया के लिए भी सियासी मायने साफ हैं। बीएनपी की जीत बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता ला सकती है, लेकिन विदेश नीति में संतुलन अपनाने से चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत हो सकते हैं। वहीं दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक बदलाव संभव है, जहां भारत के प्रभाव में कमी और चीन के निवेश (₹2.1 बिलियन) बढ़ सकता है। वैश्विक रूप से, यह क्षेत्रीय गठबंधनों को प्रभावित कर सकता है, खासकर म्यांमार शरणार्थी और आर्थिक सुधारों के संदर्भ में। यह ठीक है कि भारत और बीएनपी के बीच संबंध सुधारने के प्रयास चुनाव से पहले ही शुरू हो चुके हैं, जिसमें एस जयशंकर की तारिक रहमान से 'बहुत मैत्रीपूर्ण' चर्चा शामिल है। हालांकि हसीना के भारत में रहने से तनाव बरकरार है, फिर भी दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने को इच्छुक दिख

रहे हैं। इसलिए संभावित सुधार के कदम उठाये जा सकते हैं। खासकर राजनयिक संपर्क बढ़ाना, क्योंकि भारत ने बीएनपी नेताओं से मुलाकातें कीं, जैसे प्रणय वर्मा की मीरजा फखरुल से, जहां बीएनपी ने भारत की सुरक्षा हितों का सम्मान करने का आश्वासन दिया। वहीं, व्यापार और वीजा बहाली के दृष्टिगत यात्रा, व्यापार और वीजा प्रतिबंध हटाने पर फोकस किया जा सकता है, जो हसीना के बाद बाधित हो गए थे। खासकर जल बंटवारा और सीमा मुद्दे हल करना यानी बीएनपी पानी बंटवारे और सीमा हत्याओं (जैसे फेलानी घटना) पर जोर दे रही है। इसलिए कुछ चुनौतियां भी आएंगी, क्योंकि बीएनपी हसीना की प्रत्यर्पण की मांग कर रही है, जिसे भारत शरण दे रहा है, इससे जन-भावना भी प्रभावित हो रही है। वहीं, जमात-ए-इस्लामी का प्रभाव और पाक-चीन झुकाव भारत की चिंता बढ़ा सकता है। फिर भी भविष्य की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। चूंकि बीएनपी 'समानता-आधारित' पड़ोसी संबंधों का वादा कर रही है, जबकि भारत अल्पसंख्यक सुरक्षा और चरमपंथ विरोध की शर्त रख रहा है। इसलिए विशेषज्ञों के अनुसार, व्यावहारिक आवश्यकताएं रीसेट सुनिश्चित करेंगी, लेकिन ऐतिहासिक अविश्वास दूर करने में समय लगेगा। यद्यपि तारिक रहमान, जो बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, और भारत के प्रति संयमित और तटस्थ रुख अपनाते दिख रहे हैं, जो अतीत के तनावपूर्ण रिश्तों से अलग है। वे समानता-आधारित पड़ोसी संबंधों पर जोर देते हैं, लेकिन शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग रखते हैं। उनका मुख्य स्टैंडपॉइंट्स यह है कि अल्पसंख्यक सुरक्षा और स्थिरता के नजरिए से वो अपने भाषणों में अहिंसा, कानून के राज और हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का वादा किया, जो भारत की चिंताओं को संबोधित करता है। वहीं, समानता का जोर के मद्देनजर 'बराबरी के रिश्ते' चाहते हैं, इसलिए उन्होंने पुरानी असमानताओं (जैसे जल बंटवारा, सीमा हत्याएं) पर बात उठाई, लेकिन टकराव से बचते हैं। हाँ, भारत में शरण लेने वाली हसीना को वापस लाने की मांग, जो सबसे बड़ा विवादास्पद मुद्दा है। हालांकि हालिया संकेत यही है कि ढाका लौटने के बाद उनके संयमित भाषण को खुफिया एजेंसियां 'इंडिया-न्यूट्रल' मान रही हैं, जो 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से अलग है। लिहाजा भारत के साथ सहयोग संभव, लेकिन पाकिस्तान-चीन झुकाव और जमात प्रभाव चिंता का विषय है। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि व्यावहारिकता से रिश्ते सुधर सकते हैं।

देखा जाए तो तारिक रहमान के हालिया भाषणों में भारत का सीधा जिक्र बहुत कम या न के बराबर आया है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से सकारात्मक संकेत दिए गए हैं। वहीं उनके भाषणों की मुख्य शैली में भारत का प्रत्यक्ष उल्लेख न करना समाहित है। खासकर ढाका लौटने (25 दिसंबर 2025) के 17 मिनट के पहले भाषण में भारत का नाम नहीं लिया, लेकिन अल्पसंख्यक सुरक्षा (हिंदू, बौद्ध आदि), अहिंसा और कानून के राज पर जोर दिया–जो भारत की प्रमुख चिंताओं को संबोधित करता है।

वहीं, 'बांग्लादेश फर्स्ट' नारा यानी 'ना दिल्ली, ना रावलपिंडी, सबसे पहले बांग्लादेश' कहकर तटस्थ विदेश नीति का संकेत दिया, जो पुराने भारत-विरोधी रुख से अलग है। उनके सकारात्मक संदेश साफ हैं। वो ये कि अंग्रेजी में अंतरराष्ट्रीय अपील की, समावेशी बांग्लादेश का खाका पेश किया, जो खुफिया एजेंसियों ने 'री-अश्योरेंस सिग्नल' माना। देखा जाए तो उनके ये भाषण बीएनपी की री-ब्रांडिंग का हिस्सा हैं, जहां 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से दूरी दिखाई गई। कूटनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, यह भारत के साथ संबंध सुधारने का रणनीतिक संकेत है, हालांकि हसीना प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे लंबित हैं।

# डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

**ललित गर्ग**

डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव-भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक गंभीर हस्तक्षेप है। पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है। राजनीतिक नेताओं के फर्जी वीडियो, अभिनेत्रियों की अश्लील रूप से परिवर्तित तस्वीरें, सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले ऑडियो क्लिप और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए बनाए गए कृत्रिम संदेश-ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि तकनीक तटस्थ नहीं रहती, उसका उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। जब सत्य को जूता जा रहा हो और झूठ को परिष्कृत तकनीक के सहारे प्रमाणिकता का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया जा रहा हो, तब समाज में अविश्वास का वातावरण बनना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा नियंत्रण की पहल आवश्यक प्रतीत होती है, क्योंकि यह केवल अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है।

नए नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से बढ़ाई गई है। अब उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता को यह जानकारी मिले कि साझा की जा रही सामग्री एआई से निर्मित है या नहीं। इससे पारदर्शिता का एक न्यूनतम मानक स्थापित होगा। साथ ही, तीन घंटे की समयसीमा यह संकेत देती है कि सरकार डिजिटल अपराधों की गंभीरता को समझ रही है। डीपफेक वीडियो के वायरल होने के बाद उसका खंडन अक्सर प्रभावहीन हो जाता है, इसलिए त्वरित कार्रवाई ही नुकसान को सीमित कर सकती है। परंतु यह भी सच है कि इतनी कम समय सीमा में सामग्री की सत्यता की जांच करना तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत जटिल कार्य है। इससे प्लेटफॉर्मों पर निगरानी तंत्र को अत्यधिक सुदृढ़ करना पड़ेगा, जो लागत और संचालन दोनों के स्तर पर चुनौतीपूर्ण होगा।

यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि 'आपत्तिजनक' या 'भ्रामक' सामग्री की परिभाषा कौन और किस आधार पर तय करेगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मूलाधिकार है। यदि नियमन की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं होगी, तो इसके दुरुपयोग की आशंकाएँ जन्म लेंगी। अतीत में भी यह

देखा गया है कि जब-जब सोशल मीडिया पर नियंत्रण के प्रयास हुए, तब कुछ वर्गों ने इसे सरकारी अतिक्रमण के रूप में प्रस्तुत किया। इसलिए नियमन और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमों का प्रयोग असहमति को दबाने के लिए नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से दुष्प्रचार और अपराध को रोकने के लिए हो। इस दिशा में स्वतंत्र निगरानी तंत्र, न्यायिक समीक्षा और पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य घटक हो सकते हैं। वैश्विक परिदृश्य भी इसी संकट की ओर संकेत करता है। ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग की न्यूनतम आयु निर्धारित करने जैसे कदम उठाए हैं। अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावों की जांच के लिए ऐतिहासिक मुकदमे चल रहे हैं। वहाँ की बड़ी तकनीकी कंपनियों पर युवाओं को लत लगाने वाली संरचनाएँ विकसित करने के आरोप लगे हैं। विशेषज्ञों का मत है कि कई युवा जब अपने फोन से दूर किए जाते हैं तो वे मनोवैज्ञानिक ही नहीं, शारीरिक असहजता भी अनुभव करते हैं। यह स्थिति केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं, भारत सहित विकासशील देशों में भी सोशल मीडिया का अनियंत्रित विस्तार सामाजिक और मानसिक संकट का कारण बन रहा है। एआई उद्योग स्वयं भी एक नैतिक दुविधा के दौर से गुजर रहा है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में कंपनियाँ तकनीकी श्रेष्ठता की दौड़ में लगी हैं। इस दौड़ में सुरक्षा और नैतिकता के प्रश्न अक्सर पीछे छूट जाते हैं। हाल ही में एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता द्वारा विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति पर असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना इस तनाव का संकेत है। तकनीक की प्रगति जितनी तेज होगी, नियामक ढाँचे उतनी ही तेजी से अप्रासंगिक होते जाएँगे, यदि उन्हें समयानुकूल अद्यतन न किया जाए। इसलिए नियमन को केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी और सहभागी होना चाहिए।भारत के संदर्भ में यह विषय और भी संवेदनशील है। यहाँ डिजिटल क्रांति ने अभूतपूर्व विस्तार पाया है। करोड़ों नए उपयोगकर्ता प्रतिवर्ष ऑनलाइन आ रहे हैं। ऐसे में यदि असली और नकली के बीच का फर्क स्पष्ट न रहे तो लोकतांत्रिक विमर्श ही संदिग्ध हो जाएगा। चुनावी प्रक्रिया, सामाजिक सद्भाव, आर्थिक लेन-देन और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा-सभी पर डीपफेक का खतरा मंडरा सकता है। इसलिए एआई जनित सामग्री पर लेबलिंग का प्रावधान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सूचना साक्षरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। परंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि लेबलिंग तभी प्रभावी होगी जब आम उपयोगकर्ता डिजिटल साक्षर हो। अन्यथा वह लेबल को समझे बिना ही सामग्री साझा करता रहेगा।

आगामी ई-समिट और भारत के 'इंडिया एआई मिशन' के संदर्भ में यह और भी प्रासंगिक हो जाता है कि तकनीक का विकास पारदर्शिता, शुद्धता और प्रमाणिकता के मूल्यों के साथ हो। यदि भारत वैश्विक एआई नेतृत्व का दावा करना चाहता है, तो उसे नैतिक मानकों की स्थापना में भी अग्रणी भूमिका निभानी होगी। केवल स्टार्टअप्स और नवाचार की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि एआई मानव गरिमा, गोपनीयता और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करे। नियमन का उद्देश्य तकनीकी प्रगति को रोकना नहीं, बल्कि उसे उत्तरदायी बनाना होना चाहिए। अंततः यह समझना होगा कि डीपफेक और एआई का संकट केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। कानून आवश्यक है, परंतु पर्याप्त नहीं। डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही, सरकार की पारदर्शिता, न्यायपालिका की सतर्कता और नागरिकों की जागरूकता-इन सबका समन्वय ही इस चुनौती का स्थायी समाधान दे सकता है। यदि नियमन संतुलित और निष्पक्ष होगा तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने के बजाय उसे सुरक्षित करेगा, क्योंकि स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब वह सत्य और जिम्मेदारी के साथ जुड़ी हो। झूठ को सच में बदलने की तकनीकी क्षमता जितनी बढ़ रही है, उतनी ही दृढ़ता से सत्य की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प भी आवश्यक है। यही डिजिटल युग की सबसे बड़ी नैतिक परीक्षा है, और यही लोकतांत्रिक समाज की अगली कसौटी भी।

# यह है भूल भुलैय्या वाला शिव मंदिर, मन्नत पूरी करनी हो तो जरूर आएं यहां

मध्य प्रदेश के रतलाम में देश ही नहीं दुनिया का सबसे अनोखा शिव मंदिर है, जिस भूल भुलैय्या वाले शिव मंदिर के नाम से जाना जाता है। प्राचीन शिव मंदिरों के बारे में तो आपने कई किवदंतियां सुनी होंगी लेकिन रतलाम के बिलपांक गांव में एक शिव मंदिर ऐसा भी है जिसे भूल भुलैय्या वाला शिव मंदिर कहा जाता है। जी हां इसका नाम है विरूपाक्ष महादेव मंदिर। इस मंदिर की स्थापना मध्ययुग से पहले, परमार राजाओं ने की थी और भगवान भोले नाथ के ग्यारह रुद्र अवतारों में से पांचवें रूद्र अवतार के नाम पर, इस मंदिर का नाम विरूपाक्ष महादेव मंदिर रखा गया। इस मंदिर के चारों कोनों में चार मंडप भी बनाये गए हैं जिसमें भगवान गणेश, मां पार्वती और भगवान सूर्य की प्रतिमा को स्थापित किया गया है।

**64 खंभों पर की गई नक्काशी :** इस मंदिर को भूल भुलैय्या

वाला शिव मंदिर भी कहा जाता है क्योंकि इस मंदिर में लगे खंभों की एक बार में सही गिनती करना किसी के बस की बात नहीं है। इस मंदिर के सभी 64 खंभों पर की गई नक्काशी देखने योग्य है। इस प्राचीन विरूपाक्ष महादेव मंदिर के अंदर 34 खंभों का एक मंडप है और सभी चारों कोनों पर, खंभों की गिनती 14-14 बनती है जबकि 8 खंभे अंदर गर्भगृह में हैं। ऐसे में एक बार में इन खंभों की सही गिनती करना मुश्किल है। जिसके चलते लोग इस मंदिर को भूल भुलैय्या वाला शिव मंदिर भी कहते हैं। **यहां शिवरात्रि होती है अलग :** महाशिवरात्रि के मौके पर हर साल यहां मेला लगता है और भगवान विरूपाक्ष के दर्शन के लिए श्रद्धालु दूर दूर से यहां पहुंचते हैं। मान्यता है कि बाबा भोले नाथ के दर से कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं जाता। खास बात यह है कि इस मंदिर में आयोजित हवन के बाद बंटने वाले खीर के प्रसाद से, माँओं की सूनी गोद भी भरती है जिसके लिए दूर दूर से, बड़ी संख्या में महिलाएं विरूपाक्ष महादेव के दर्शन के लिए आती हैं। बीते 64 सालों से हर साल यहां इस महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें खीर की प्रसादी के लिए लोग प्रदेश और देश के कोने कोने से आते हैं। गोद भरने पर यहां बच्चों को मिठाईयों से भी तौला जाता है। **निःसंतान दंपति प्रसाद लेने आते हैं यहां :** प्रशासन ने रतलाम के समीर बिलपांक का विरूपाक्ष मंदिर भी संरक्षित घोषित किया हुआ है। स्थापत्य कला की दृष्टि से ऊन व उदयेश्वर के शिव मंदिर व इसमें काफी साम्यता है। यहां 5.20 वर्गमीटर के गर्भगृह में पीतल की चद्दर से आच्छादित 4.14 मीटर परिधि वाली जलाधारी व 90 सेमी ऊंचा शिवलिंग स्थापित है। 64 स्तंभ वाले सभागृह में एक स्तंभ मौर्यकालीन भी है। यहां 75 वर्षों सें हर शिवरात्रि पर महारुद्र यज्ञ होता है जिसमें खीर का प्रसाद ग्रहण करने दूर-दूर से बड़ी संख्या में निःसंतान दंपति आते हैं। **इसलिए विशेष है यह मंदिर :** मंदिर में 64 खंभे, गर्भगृह, सभा मंडप व चारों और चार सहायक मंदिर हैं। सभा मंडल में नृत्य करती हुईं अप्सराएं वाद्य यंत्रों के साथ हैं। मुख्य मंदिर के आसपास सहायक मंदिर भी मौजूद हैं। पूर्व सहायक मंदिर के उत्तर में हनुमानजी की ध्यानस्थ प्रतिमा, पूर्व दक्षिण में जलाधारी व शिव पिंड, पश्चिम के उत्तर में विष्णु भगवान गरुड़ पर विराजमान हैं। पश्चिम में दांयीं सूंड वाले गणेशजी की प्रतिमा है।

# घर बाहर के बीच

घरेलू भूमिकाओं को छोड़ कर अध्यापन, बैंकिंग, आईटी और पत्रकारिता जैसे पेशों में महिलाओं की मौजूदगी देखी जा सकती है, लेकिन नौकरी हो या व्यवसाय, दोनों क्षेत्रों में अभी लगता है कि खुद महिलाओं में कोई हिचक है। भले उनसे अपेक्षा है कि वे पुरुषों के कंधे से कंधा मिला कर काम करें, पर कई काम-धंधे हैं, जहां महिलाओं की उपस्थिति नगण्य है। यह बेवजह नहीं है। इसके पीछे सामाजिक दबाव हैं, असुरक्षा का माहौल है। इसी के मद्देनजर हाल में महिला और बाल विकास मंत्रालय ने दफ्तरों में यौन उत्पीडन की शिकायत करने की एक व्यवस्था- शी बॉक्स के जरिए बनाई है। दरअसल, कामकाज की स्थितियां स्त्रियों को नहीं, बल्कि पुरुषों को ध्यान में रख कर बनाई गई हैं। ऐसे में चाह कर भी महिलाएं कई नौकरियों और बिजनेस में नहीं आती हैं और अगर आती भी हैं, तो वहां ज्यादा टिकती नहीं हैं। इस संदर्भ में एक छोटी पहल हुई है। पिछले साल, दिल्ली स्थित पर्सनल केयर उत्पाद बनाने वाली एक कंपनी ने महिलाकर्मियों के लिए एक खास छुट्टी का प्रावधान किया था। इस कंपनी ने महीने में दो दिन ऐसी छुट्टियां महिला कर्मचारी को देने की नीति बनाई, जब वे मासिक चक्र से गुजर रही हों। भारत में ऐसी व्यवस्था करने वाली यह पहली कंपनी मानी गई, हालांकि दुनिया में भी कुछ ही विकसित देशों में ऐसे प्रावधान हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व स्तर पर इन छुट्टियों का प्रावधान सबसे पहले जापान में 1947 में किया गया था, जो बाद में दक्षिण कोरिया, ताइवान और इंडोनेशिया जैसे कुछ देशों में कुछ कंपनियों द्वारा अपनाया गया। महिला कर्मचारियों की जरूरतों में सबसे बड़ी मुश्किल तब आती है, जब वे विवाह करके अपना घर बसाती हैं और मातृत्व की ओर बढ़ती हैं। भारत जैसे विकासशील देशों में ही नहीं, अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी स्त्रियों का रोजगार- खासकर किसी अच्छी कंपनी में नौकरी इस कारण खतरे में पड़ जाती है। वहां भी युवावस्था में नौकरी शुरू करने वाली स्त्रियां विवाह और मातृत्व के वक्त जब लंबी छुट्टियां लेती हैं तो इसकी गारंटी नहीं होती कि वे नौकरी में वापस आ पाएंगी। अगर वे लौटती हैं तो एक पिछड़ेपन के साथ। यानी या तो वे अपने ही सहकर्मियों से करिअर की रेस में पिछड़ जाती हैं या फिर उन्हें मातृत्व की अपनी योजना को लंबे समय तक टालना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि नौकरी या अध्ययन के दौरान मातृत्व से जुड़े सवालों पर भारत में भी कुछ दुविधाएं प्रकट होती रही हैं, जिन पर अदालत को दखल देना पड़ा है। सात साल पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी की लॉ फैकल्टी की दो विवाहित गर्भवती छात्राओं की याचिका पर दिए अपने फैसले में हाजिरी से छूट देने का आदेश दिया था। गर्भधारण के कारण इन छात्राओं की उपस्थिति निर्धारित संख्या से कम रह गई थी और कॉलेज ने उन्हें परीक्षा में बैठने से रोक दिया था। इस पर अदालत ने कहा था कि ऐसी छात्राओं को हाजिरी में छूट न देना संविधान की मूल भावना और महिला अधिकारों का उल्लंघन है। ऐसी ही एक पहलकदमी तीन साल पहले तब हुई, जब सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि केंद्र सरकार की महिला कर्मचारी अपने नाबालिग बच्चों की देखभाल के लिए दो साल की छुट्टी ले सकती है। उल्लेखनीय है कि छठे वेतन आयोग ने ऐसी ही छुट्टी की सिफारिश की थी। दिल्ली समेत कुछ राज्यों के सरकारी दफ्तरों और कॉलेज-यूनिवर्सिटियों में महिलाएं ऐसे अवकाश का लाभ उठा रही हैं। पर ये सारी सुविधाएं सिर्फ सरकारी महिला कर्मियों को हासिल हैं। कुछ अपवादों को छोड़ कर (जैसे टाटा, टेक महिंद्रा, आइसीआइसीआई बैंक आदि, जहां करीब बीस फीसदी नौकरियां उन महिलाओं के लिए सुरक्षित की जा रही हैं, जिन्होंने मातृत्व कारणों से लंबा अवकाश लिया था) निजी क्षेत्र की ज्यादातर कंपनियों में मातृत्व के लिए अवकाश का सीधा अर्थ घर बैठ जाना है, क्योंकि नियोक्ता इतनी लंबी अवधि तक महिला कर्मचारी की अनुपस्थिति बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। यही वजह है कि मातृत्व की ओर बढने वाली निजी क्षेत्र में कार्यरत महिलाएं नौकरी छोडना ही बेहतर समझती हैं।

**नौकरीशुदा महिलाओं के सामने कई समस्याएं :** यों लगभग पूरी दुनिया में किसी भी कंपनी में काम करते हुए करिअर के साथ बच्चे को जन्म देना और उसका पालन-पोषण करना एक बेहद मुश्किल काम है। विकासशील देशों में तो ज्यादातर छोटी कंपनियों में किसी महिला के लिए मातृत्व का मतलब आमतौर पर अपने करिअर की तिलांजलि देना ही होता है। गर्भधारण करने की स्थिति में महिलाओं के करिअर में कई बाधाएं हैं, अगर वह पूरी तरह खत्म नहीं होता तो वे अक्सर अपने ही सहकर्मियों से पिछड़ जाती हैं और योग्यताएं होते हुए भी वे किसी कंपनी में उन शीर्ष पदों पर नहीं पहुंच पाती हैं, जिनके लिए वे पूरी तरह सक्षम होती हैं। बड़ी कंपनियों के लिए भी महिला कर्मचारियों द्वारा अपना परिवार बढ़ाने का कदम काफी मुश्किलें खड़े करता है। उनका संकट यह है कि या तो वे ऐसी महिला कर्मचारी हमेशा के लिए खो देती हैं, जिन पर उन्होंने भारी-भरकम निवेश किया होता है।

# स्त्री की आजादी में धर्म का दखल

जहां स्त्री अपनी मरजी की जिंदगी जीना चाहती है, वहीं धर्म से संचालित होने वाला समाज उसकी मरजी को बुरा मानता है। अगर वह शादी नहीं करती, तो यह सामाजिक और धार्मिक मर्यादाओं का उल्लंघन माना जाता है, क्योंकि धर्म ने वैवाहिक नाम की संस्था को हाईजैक कर लिया है। इसलिए अगर कोई लड़की अपनी मरजी से शादी न करने का निर्णय लेती है या लिव इन रिलेशनशिप में रहना चाहती है अथवा संतान पैदा नहीं करना चाहती, तो यह सीधे-सीधे धर्म का उल्लंघन माना जाता है। शादी एक पर्सनल चीज है और यह पूरी जिंदगी का समझौता भी है। आज भी शादी से स्त्री की आजादी छिन जाती है। उसकी पर्सनल स्पेस कम हो जाती है और तो और घर की सारी जिम्मेदारियां उसी के जिम्मे डाल दी जाती हैं। इसलिए वह शादी के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजाने लगी है। नई जैनरेशन अधिक बोल्ड हो गई है। वह कोई भी निर्णय लेने से नहीं डरती। यही कारण है कि जैसे-जैसे लड़कियां इंडिपेंडेंट हो रही हैं वे ज्यादती बरदाश्त नहीं कर रही हैं। लेकिन आज भी स्त्री अपनी मनमरजी से नहीं जी सकती। धर्म उसकी आजादी में पाबंदी लगाना चाहता है। एक युवती का समाज सम्मान तभी करता है जब वह धार्मिक रीति रिवाजों से, पंडित के मंत्रों द्वारा अग्नि के सामने किसी युवक के साथ 7 फेरे लेकर उसकी जीवन संगिनी बनती है। उसके बाद वह संतान प्राप्त करने के लिए देवी-देवताओं से विनती करती है। अपने सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करती है। मंदिरों, तीर्थ स्थलों में जाती है। इससे पहले वह वर प्राप्ति के लिए व्रत, पूजा करती है। शादी के बाद पति की लंबी उम्र के लिए करवाचौथ का व्रत रखती है। इसके अलावा और कई तरह के हवन यज्ञ करवाती है, बाबाओं की शरण में जाती है। सुखी गृहस्थ जीवन के लिए तभी वह पूर्ण सम्मानित स्त्री मानी जाती है। आज की युवतियां जो अपनी मरजी धर्मरहित आधुनिक जीवन जीना चाह रही हैं, उसके चलते वे समाज की नजरों में सम्मान के काबिल नहीं रह गईं। धर्म स्त्री की मरजी पर सदियों से पाबंदी लगाता आ रहा है। आज सिंगल वूमन जिस तरह से रहना चाहती है वह धार्मिक, सामाजिक सत्ता का खुला उल्लंघन है। इसीलिए धर्म के ठेकेदार उसके प्यार करने, पहनने-ओढने, खाने-पीने, पढने-लिखने जैसे नितांत निजी फैसलों पर अपने फतवे जारी करते रहते हैं। समाज में शादी को पवित्र संस्था समझा जाता है। भले ही शादी बुरी साबित हो। स्त्री की सफलता का पैमाना उसके कैरियर की उपलब्धियों को नहीं, बल्कि सफल वैवाहिक जीवन को माना जाता है। समाज न सिंगल रहने वाली लड़की को आसानी से स्वीकार कर पाता है और न ही पुरुष को। दोनों को ही हजारों सवालों का सामना करना पड़ता है। यह सही है कि समाज की सुविधा के लिए शादी करना जरूरी है, लेकिन जो शादी नहीं करना चाहते उन्हें इसकी आजादी भी होनी चाहिए। किसी भी अविवाहित व्यक्ति को अकेला क्यों समझा जाता है? क्या सिर्फ पति-पत्नी बनने से ही रिश्ते बनते हैं? बाकी सभी रिश्ते गौण होते हैं? अगर पेरैंटस का पूरा सहयोग हो, एक बेहतरीन कैरियर हो, अपने फैसले पर आप को पूरा यकीन हो, स्ट्रौंग पर्सनैलिटी हो और ऐसे फ्रैंड हों, जो जिंदगी के हर मोड़ पर आप के साथ खड़े हों, तो अविवाहित व्यक्ति खुद को कभी अकेला महसूस नहीं करेगा। इसके अलावा लड़की जब अपने परिवार में मां, बुआ और बहन को पुरुष यंत्रणा का शिकार होते देखती है या बात-बात पर पति या पिता को यह कहते सुनती है कि मेरे घर से निकल जाओ, तो बचपन से ही उसके मन में यह बात बैठ जाती है कि उसे इस सब का शिकार नहीं होना है। उसे अपने पैरों पर खड़ा होना है। किसी के आगे नहीं झुकना है। **महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी :** आज के समय में लगभग हर जगह चाहे वह गांव हो या शहर हर जगह महिला सशक्तिकरण पर चर्चा हो रही है, लेकिन इसके वास्तविक मायने कितने लोग समझ पाते हैं यह कहना मुश्किल है। हमारे भारतीय समाज में इसकी कितनी मान्यता मिल रही है, यह अनुसंधान करना बेहद कठिन है, हालांकि हमारे भारतीय समाज में महिलाओं की अवस्था में काफी सुधार हुआ है ।

# विश्वप्रसिद्ध है तमिलनाडु के मंदिरों की कलात्मकता

प्राचीन काल में हमारे देश में स्थापत्य कला की तीन प्रमुख शैलियां विद्यमान थीं- उत्तर भारत की नागर शैली, उत्तर-दक्षिण की बेसर शैली तथा दक्षिण भारत की द्रविड़ शैली। इनमें मूर्तिकला, शिल्प, सुंदरता आदि की दृष्टि से द्रविड़ शैली अत्यन्त मनमोहक, कलात्मक एवं प्रेरक है। इसका अधिकाधिक विकास तमिल प्रदेश के अनेक मंदिरों के निर्माण में छठी शताब्दी से सत्रहवीं शताब्दी के बीच पल्लव, चोल, पांड्य, विजयनगर और नायक राजाओं के शासनकाल में हुआ। तमिलनाडु के सुप्रसिद्ध मंदिरों में मदुरै का मीनाक्षी, रामेश्वरम् का रामेश्वरम् मंदिर, तंजौर का वृहदीश्वर, तिरुच्चिरापल्ली का श्रीरंगम्, चिदम्बरम् का नटराज तथा कांचीपुरम् का एकांवरनाथ मंदिर आदि उल्लेखनीय हैं। ये पावन स्थान न केवल भारत में बल्कि अपने अप्रतिम शिल्प वैभव के कारण सारे संसार में विख्यात हो चुके हैं। इन मंदिरों में देवताओं की मूर्तियां आज भी रत्नों से सुशोभित हैं और परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। **मीनाक्षी मंदिर :-** दक्षिण भारत में मदुरै का वही महत्व है जो उत्तर भारत में 'मथुरा' का है। यहां का मीनाक्षी मंदिर अपनी भव्यता के लिए जगतप्रसिद्ध है। मदुरै किसी समय पांड्य राजाओं की राजधानी रही है और मीनाक्षी इस वंश की राजकन्या थी जिसने अपनी भक्ति के प्रभाव से शिवजी को वरण किया था। मीनाक्षी मंदिर बस्ती के मध्य में बना हुआ है। इसके एक भाग में मीनाक्षी देवी का मंदिर है और दूसरे भाग में सुन्देश्वरम् (शिवजी) का। सत्रहवीं शताब्दी में इस मंदिर के विस्तार में नायकवंशी राजा तिरुमलै ने बड़ा योगदान दिया था। मीनाक्षी मंदिर का सबसे मुख्य आकर्षण इसके ऊँचे-ऊँचे गोपुरों में है जो आकाश को छूते से प्रतीत होते हैं। ये गिनती में चार हैं, जिनका कण-कण उन्नत तथा आकर्षक शिल्प से ओत-प्रोत हैं। इन पर निर्मित सैकड़ों रंगीन देवमूर्तियों के अद्भुत कला कौशल को देखकर दर्शक कुछ पल तक मंत्रमुग्ध सा खड़ा इनकी ओर निहारता रहता है। यहां पर एक से एक भव्य मूर्ति शोभायमान है। द्रविड़ शैली की सर्वोत्तम मूर्तिकला को यदि देखना है तो मदुरै में जाकर मीनाक्षी मंदिर के इन गोपुरों को देखिये जिनके कारण ऐसा सुंदर मंदिर सारे देश में और कहीं नहीं। मीनाक्षी मंदिर का भीतरी भाग कम कलात्मक नहीं। भित्तियों पर की गई नक्काशी व पच्चीकारी तथा स्थल-स्थल पर बनीं मूर्तियां अपनी-अपनी कथा कह रही हैं। यहां पर एक छोटा-सा तालाब भी बना हुआ है। मदुरै का विष्णु मंदिर भी इसी शैली पर बनाया गया है, जिसमें विष्णु संबंधी अनेक रंगीन मूर्तियां दर्शनीय हैं। इसके साथ ही, यहां का तिरुमलै पैलेस भी देखने योग्य है जिसके स्वर्गाविलास एवं रंगाविलास मुगलकालीन के दीवान-ए-खास व दीवान-ए-आमकी याद दिलाते हैं। **रामेश्वरम् मंदिर :-** मीनाक्षी मंदिर के बाद तमिलनाडु का सबसे बड़ा आकर्षण रामेश्वरम् का रामेश्वर मंदिर है जो टापू में बना हुआ है। रामेश्वरम् की गणना हमारे देश के चारों धामों में की जाती है। यहां पहुँचने के लिए मण्डपम् से पामवन के बीच बने करीब ढाई कि.मी. लंबे एकमात्र रेल पुल से होकर आना पड़ता है। यहां से गुजरते समय मदमाते सागर का एक ऐसा विस्मयकारी दृश्य देखने को मिलता है, जो अन्यत्र दुर्लभ है। रामेश्वर मंदिर अपने आप में एक विशाल दुर्ग सा है, जिसके चारों ओर बने ऊँचे-ऊँचे गोपुर यात्रियों को सहज ही अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। इस मंदिर में एक हजार खम्भों वाला एक विशाल प्रांगण है, जिस पर की गई नक्काशी और पच्चीकारी बेजोड़ है। कहते हैं कि यहां पर श्री राम ने लंकाधीश रावण पर विजय प्राप्त करने के लिए शिव जी की शक्तिपूजा की थी। इस मंदिर में स्नान आदि के लिए बाइस कुएं बने हुए हैं जिनका जल समुद्र के निकट होने पर भी मीठा है। पर्यटकों की सुविधा के लिए मंदिर के पूर्वी गोपुर के सामने समुद्र तट के निकट ही एक उत्तम सा जलपान गृह बनाया गया है। यह जगह मदुरै से 150

किलोमीटर और श्री लंका से 75 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। **वृहदीश्वर मंदिर :-** मदुरै की तरह तंजौर भी तमिलनाडु का एक प्रमुख नगर है जो रामेश्वरम् से चेन्नई जाने वाले मार्ग पर स्थित है। यहाँ का साठ मीटर ऊँचा वृहदीश्वर नामक शिव मंदिर भारत का सबसे बड़ा शिव मंदिर माना जाता है। इसमें चोलवंशी नरेश राजराजा चोल ने ग्यारहवीं शती के आरम्भ में बनवाया था। इसके मुख्य आकर्षणों में नंदी की विशाल मूर्ति तथा गर्भगृह में प्रतिष्ठित चमकीले काले पत्थर का लगभग चार मीटर ऊँची शिवलिंग, दोनों ही बड़े प्रभावशाली लगते हैं। यहां का सरस्वती महल नामक पुस्तकालय बहुत मशहूर है। जिसमें असंख्य अनुपलब्ध पांडुलिपियों का भंडार है। इस क्षेत्र के अन्य दर्शनीय कलात्मक मंदिरों में मुन्नारगुड़ी का राजगोपाल स्वामी मंदिर और तिरुवारूर का त्यागराज स्वामी मंदिर भी उल्लेखनीय हैं। **श्री रंगम् मंदिर :-** तंजौर के वृहदीश्वर मंदिर की भांति तिरुच्चिरापल्ली का श्री रंगम् मंदिर भी हमारे देश का विशाल वैष्णव मंदिर है। यह मंदिर तिरुच्चिरापल्ली नगरी के निकट कावेरी नदी की दो धाराओं के मध्य एक छोटे से टापू में स्थित है जिसके कारण इस कस्बे का नाम 'श्री रंगम्' पड़ गया है। इस मंदिर में भगवान श्री रंगनाथ जी विराजमान हैं। इस संबंध में यहां एक दंतकथा बड़ी मशहूर है कि लंका पर विजयोपरांत अयोध्या लौटते समय श्री रामचंद्र जी ने यह मूर्ति विभीषण के कहने पर उसे पूजा के लिए दे दी थी, किंतु गणेश जी की युक्ति से इस मूर्ति को श्री रंगम् में छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा। इस मंदिर के निकट ही जुंबकेश्वर महादेश का शिव मंदिर है, जिसकी अनूठी कला और पच्चीकारी दर्शकों के मन को मोह लेती है। इसके अतिरिक्त तिरुच्चिरापल्ली नगर में बना मातृ भूतेश्वर मंदिर भी यहां का एक देखने लायक मंदिर है, जिसका निर्माण नायकवंशी रानी मंगम्मा ने करवाया था।

**नटराज मंदिर :-** तमिलनाडु के प्राचीन मंदिरों में चिदम्बरम् के नटराज मंदिर का अपना अलग महत्व है। इस मंदिर की विशेषता यह है कि इसमें शिवलिंग के स्थान पर नटराज की मूर्ति विराजमान है। यहां की नृत्य मुद्रा में कांसे की शिव मूर्ति अन्यत्र दुर्लभ है। इसका निर्माण छठी शताब्दी में पल्लव नरेश सिंह वर्मन ने करवाया था जिसके उपरांत चोल पांड्य तथा विजयनगर के राजाओं ने इसके विकास में योगदान दिया। यह सारा मंदिर बत्तीस एकड़ भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है। पांच तत्वों के आधार पर पांच लिंगों की कल्पना की गई है जिसमें गमन लिंग चिदम्बरम् इस मंदिर में स्थापित है। यहां की नृत्यशाला और कनक सभा मंडप शिल्प के सुंदर नमूने हैं। गोपुरों पर भरतनाट्यम की एक सौ आठ मुद्राओं में निर्मित नटराज की मूर्तियां दर्शनीय हैं। इस मंदिर में एक बड़ा सा तालाब भी बना हुआ है। इस संबंध में यहां पर एक कथा बड़ी प्रचलित है। कहा जाता है कि पहले पहल यहां पर एक घना जंगल था। इस जंगल में कई ऋषि-मुनि तप करते थे, उन्हें अपने तप पर घमण्ड हो गया था। उनके घमण्ड को चूर करने के लिए एक बार शिव कैलाश से यहां आए। शिव का मुकाबला करने के लिए सभी ऋषि-मुनियों ने मिलकर एक चीता, एक सर्प और बौने दैत्य को भेजा। लेकिन शिव ने उन सबको मौत के मुंह में सुला दिया। चीते की खाल को शिव ने अपने शरीर पर लपेट लिया और बौने दैत्य को अपने पांवों के नीचे कुचलकर ताण्डव नृत्य किया। उस समय की शिव की वह मुद्रा आज सारे संसार में 'नटराज' के रूप में जानी जाती है। इसलिए चिदम्बरम् को भरतनाट्यम की जन्मभूमि भी कहा जाता है। धार्मिक महत्व के साथ-साथ नृत्यकला की दृष्टि से भी यह मंदिर बेजोड़ है। **एकांबरनाथ मंदिर :-** प्राचीन काल में जिन सात पुरियों को मोक्षदायिनी माना गया है, उनमें कांची अर्थात् कांचीपुरम् एक है। इस नगरी का नाम किसी समय कांचपुर (कनकपुरी) भी था जो कालान्तर में कांचीपुरम् हो गया। यहां का एकांबरनाथ मंदिर तमिलनाडु का एक विख्यात मंदिर है जिसका निर्माण सोलहवीं शताब्दी में विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय ने करवाया था। इसका गोपुर दस मंजिला है जिसकी ऊँचाई सत्तावन मीटर है। यहां का शिल्प द्रविड़ शैली का एक बेहतरीन नमूना है। इस मंदिर में पृथ्वीलिंग स्थापित है, कांचीपुरम् के अन्य दर्शनीय मंदिरों में कैलाशनाथ, वैकुण्ठनाथ, पेरुमाल, विश्वेश्वर, वरदराज स्वामी, चंद्रप्रभा आदि उल्लेखनीय हैं। वरदराज मंदिर में चट्टान को काट कर जंजीर का जो रूप दिया गया है, देखते ही बनता है। यह नगरी चेन्नई से 71 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और कई शताब्दियों तक पल्लवकालीन राजधानी के रूप में गौरवशाली रही है। हमारे देश के पांचवें शंकराचार्य भी यहीं रहते हैं जो कांची कामा कोडि शंकराचार्य के नाम से जाने जाते हैं।

# इलियाना डिक्रूज ने किया अपने बच्चे के पिता का खुलासा

मुम्बई। इलियाना डिक्रूज हैं प्रेग्नेंट! इस साल अप्रैल में एक्ट्रेल ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया था कि वह एक बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। फैंस यह जानने के लिए उत्सुक थे कि पिता कौन है। हालांकि इलियाना ने अभी तक अपने रिश्ते के बारे में खुलासा नहीं करने का फैसला किया है। आज यानी 2 जून को एक्ट्रेस ने आखिरकार अपने मिस्ट्री मैन की एक झलक शेयर कर दी है। इलियाना इन दिनों बीच पर बेबीमून पर हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक शख्स का हाथ थामे तस्वीर शेयर की है।

इलियाना डिक्रूज इन दिनों अपने मिस्ट्री मैन के साथ बेबीमून पर हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर एक नई फोटो शेयर की है, जिसमें वह एक शख्स के साथ डिनर करती नजर आ रही हैं। हालांकि उनका चेहरा नहीं देखा जा सकता है। फोटो में इलियाना शख्स का हाथ थामे नजर आ रही हैं। दोनों की उंगलियों में अंगूठियां हैं। यह पता नहीं चल पाया है कि इलियाना ने उस लड़के से सगाई की है या नहीं। फोटो को शेयर करते हुए दिवा ने लिखा, 'रोमांस का मेरा विचार स्पष्ट रूप से उन्हें शांति से खाने नहीं दे सकता।'

18 अप्रैल को इलियाना ने सभी को चौंका दिया जब उन्होंने घोषणा की कि वह अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। उसने अपने इंस्टाग्राम पेज पर दो ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें साझा कीं। इलियाना ने कैप्शन के साथ गर्भावस्था की घोषणा की, 'जल्द आ रहा- रही है। आपसे मिलने के लिए इंतजार नहीं कर सकती मेरी नन्ही जान।'

कई साल पहले, यह बताया गया था कि इलियाना एक ऑस्ट्रेलियाई फोटोग्राफर एंड्रयू नीबोन को डेट कर रही हैं। हालांकि, 2019 में दोनों अलग हो गए। हाल ही में खबरें आई थीं कि इलियाना एक्ट्रेस कैटरीना कैफ के भाई सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल के साथ रिलेशनशिप में हैं। दोनों, कैटरीना, विक्की और अन्य के साथ मालदीव की यात्रा पर गए थे। हालांकि, इलियाना ने अभी तक अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर बात नहीं की है।

## गोविंदा ने पत्नी सुनीता आहूजा के आरोपों पर तोड़ी चुप्पी, अफेयर के इल्जामों को बताया गलत

मुम्बई। बॉलीवुड सुपरस्टार गोविंदा अपनी पत्नी सुनीता आहूजा के हालिया बयानों के कारण चर्चा में हैं। सुनीता ने एक इंटरव्यू में एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की ओर इशारा किया था, जिसके बाद अब गोविंदा ने इन दावों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

गोविंदा ने बड़े ही शांत अंदाज में कहा कि उन पर इस तरह के आरोप कोई नई बात नहीं हैं। उन्होंने अपनी पत्नी के बारे में बात करते हुए कहा, 'जो आरोप लगा रहा है, वह मेरे बचपन का प्यार है।' उन्होंने मजाकिया लहजे में यह भी जोड़ा कि प्यार के मामले में चीजें हमेशा उनके हिसाब से नहीं चलीं और अब जिसे प्यार समझा जा रहा है, वह केवल बढ़ती उम्र का एक हिस्सा है।

अपने करियर और व्यवहार पर बात करते हुए गोविंदा ने कहा कि उन्होंने कई बड़ी सुपरस्टार्स और मिस यूनिवर्स जैसी अभिनेत्रियों के साथ काम किया है, लेकिन कभी किसी के साथ बुरा बर्ताव नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया, 'मेरी एक भी हीरोइन यह नहीं कह सकती कि मैंने उन्हें कभी परेशान किया या उनके बारे में बुरा कहा।' उन्होंने अपनी फिल्मों की सफलता का श्रेय अपने निर्देशकों, संगीत और अपनी को-एक्ट्रेस को दिया।

गोविंदा इस बात को लेकर चिंतित दिखे कि इन विवादों का असर उनके काम पर न पड़े। उन्होंने नए कलाकारों से माफी मांगते हुए कहा कि वे नहीं चाहते कि कोई भी उनके साथ काम करने से डरे या उनके प्रोडक्शन में काम करने से कतराए। उन्होंने कहा कि वह सभी के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं और अपनी छवि को साफ रखना चाहते हैं।

सुनीता आहूजा ने अपने इंटरव्यू में 'कोमल' नाम की एक लड़की का जिक्र किया था और कहा था कि उन्हें उस नाम से नफरत है। इस पर जवाब देते हुए गोविंदा ने कहा कि वह उस लड़की के शुक्रगुजार हैं कि वह चुप रही और उसने कुछ नहीं कहा, वरना आज के दौर में बात बहुत बढ़ सकती थी। बता दें कि सुनीता ने कहा था कि अगर उन्हें अफेयर का पुख्ता सबूत मिलता तो वह गोविंदा को कभी माफ नहीं करतीं।

## नितीश भारद्वाज ने महाभारत में श्रीकृष्ण के किरदार को कर दिया था जीवंत, लोग भगवान समझकर करते थे पूजा

मुम्बई।नितीश भारद्वाज सिने जगत का एक ऐसा नाम हैं, जिनका नाम सुनते ही लोगों के मन में उनकी भगवान श्रीकृष्ण वाली छवि उभर आती है। नितीश भारद्वाज ने आइकॉनिक पौराणिक शो 'महाभारत' को अपने अभिनय से ऐसा जीवंत किया कि लोग उनको अपने घरों में पूजने लगे थे। टीवी शो महाभारत से नितीश भारद्वाज को काफी लोकप्रियता मिली। बता दें कि भगवान श्रीकृष्ण के रोल को जीवंत बनाने वाले अभिनेता नितीश भारद्वाज का आज ही के दिन यानी की 2 जून को जन्म हुआ था। आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर नितीश भारद्वाज के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... **जन्म और परिवारः** महाराष्ट्र के मुंबई शहर में 2 जून 1963 को नितीश भारद्वाज का जन्म हुआ था। नितीश के पिता जनार्दन सी उपाध्याय मुंबई हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और वयोवृद्ध श्रमिक वकील थे। उनकी माता साधना उपाध्याय मुंबई के कॉलेज में मराठी साहित्य की प्रमुख थी। **करियरः** साल 1988 में नितीश भारद्वाज ने अपना

टेलीविजन करियर शुरू किया था। इस शो में नितीश भारद्वाज ने भगवान श्रीकृष्ण के किरदार को जीवंत कर दिया था। उस दौरान महाभारत सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला शो बन गया था और लोग नितीश भारद्वाज को भगवान समझ कर पूजने लगे थे। इसके बाद नितीश भारद्वाज ने टीवी सीरियल विष्णु पुराण, रामायण और गीता रहस्य में भी काम किया है। **फिल्मी करियरः** टीवी सीरियल की वजह से नितीश भारद्वाज काफी चर्चाओं में रहने वाले एक्टर थे। साल 1988 में ही नितीश भारद्वाज ने फिल्म त्रिशगणि से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी। इसके बाद फिल्म इंडस्ट्री की सबसे मशहूर अदाकार माधुरी दीक्षित के साथ नितीश ने साल 1992 में फिल्म संगीत में काम किया। अपने फिल्मी करियर में नितीश भारद्वाज को कई फेमस एक्टर और एक्ट्रेसेस के साथ काम करने का मौका मिला। वर्तमान में वह जाने-माने फिल्म अभिनेता, निर्देशक तथा प्रसिद्ध फिल्म निर्माता है। **राजनीतिक करियरः** महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले एक्टर नितीश भारद्वाज बीजेपी के प्रमुख नेता रह चुके हैं।

## बाफ्टा अवॉर्ड्स में शामिल हुई राधिका आप्टे ने बाथरूम में किया ये काम

मुम्बई। एक्ट्रेस राधिका आप्टे ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जो चर्चा का विषय बन गई है। इस तस्वीर में एक्ट्रेस ब्रेस्ट पंपिंग करती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीर तब की है जब वो बाफ्टा अवॉर्ड्स में शामिल हुई थीं। आपको बता दें, मां बनने के दो महीने बाद राधिका बाफ्टा अवॉर्ड्स में शामिल हुईं और उन्होंने बताया कि नई मां बनना कितना मुश्किल होता है।राधिका की फिल्म 'सिस्टर मिडनाइट' बाफ्टा के लिए नॉमिनेट हुई थी। इसलिए एक्ट्रेस वहां मौजूद थीं। जैसा कि सभी जानते हैं कि एक्ट्रेस दो महीने पहले ही मां बनी हैं, इसलिए बाफ्टा के दौरान वो अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को एक साथ संभालती दिखीं।एक्ट्रेस ने एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो एक हाथ से ब्रेस्ट पंपिंग करती दिख रही हैं और दूसरे हाथ में शैंपेन का गिलास थामे। आपको बता दें, एक्ट्रेस ने ये काम बाथरूम में किया। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'और अब मेराबाफ्टा वास्तविकता (हंसते हुए चेहरे

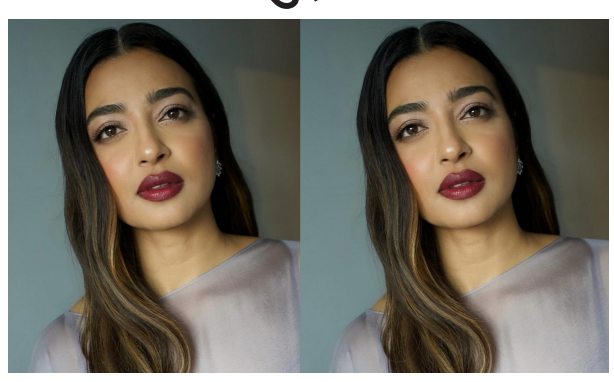

वाला इमोजी)। मुझे नताशा का शुक्रिया अदा करना है, जिन्होंने मुझे बाफ्टा में शामिल होने का मौका दिया। उन्होंने मेरे ब्रेस्ट पंपिंग टाइमिंग के हिसाब से कार्यक्रम तय किया।' उन्होंने आगे कहा, 'वह न केवल दूध निकालने के लिए मेरे साथ वॉशरूम गईं, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह मेरे लिए शौचालय में शैंपेन लेकर आईं (हंसता हुआ चेहरा और लाल दिल वाला इमोजी)। नई मां बनना और काम करना बहुत मुश्किल है, इस तरह की देखभाल और संवेदनशीलता हमारे फिल्म उद्योग में दुर्लभ है और इसकी बहुत सराहना की जाती है।'इससे पहले, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर इवेंट की कई तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने लिखा,बाफ्टा में सिस्टर मिडनाइट। जन्म के बाद पहली बड़ी सैर.. प्रसव के 2 महीने बाद.. 2 घंटे की नींद.. मैं टीम के शानदार लोगों के बिना ऐसा नहीं कर पाती। धन्यवाद।'

## लता मंगेशकर ने पेश किये 5 सबसे सुपरहिट गानें

नयी दिल्ली। अपनी मधुर आवाज से पिछले कई दशक से संगीत के खजाने में हर दिन नये मोती भरने वाली लता मंगेशकर 28 सितंबर 1929 को इंदौर में मशहूर संगीतकार दीनानाथ मंगेशकर के यहां पैदा हुई थीं। लता ने अपनी आवाज और अपनी सुर साधना से बहुत छोटी उम्र में ही गायन में महारत हासिल की और विभिनन भाषाओं में गीत गाए। आइये आज उनके जन्मदिन पर हम आपको बताते हैं लता मंगेशकर के 5 सबसे सुपरहिट गानेष्ठ1-**फिल्म- 'वो कौन थी' से गाना 'लग जा गले'**: 1964 में रिलीज हुई फिल्म वो कौन थी का गाना 'लग जा गले' आज भी सबके जुबान पर रहता हैं। यह गाना राजा मेहंदी ने लिखा और मदन मोहन ने इस गीत को तैयार किया था। लता मंगेशकर का यह गीत सच में आज भी वैसी ही ताजगी के साथ हर कोई गुनगुनाता हुआ मिल ही जाएगा। **2- फिल्म- 'बहारों के सपने' से गाना 'क्या जानूं साजन'**: राजेश खनन और आशा पारेख पर फिल्माया गाना क्या जानूं साजन बहुत ही सुरीला गीत है और 1967 में यह फिल्म सुपरहिट थी। इस फिल्म के गीतकार-संगीतकार मजरूह सुल्तानपुरी और आरडी बर्मन थे। **3- फिल्म- 'शोर' से गाना 'एक प्यार का नगमा हैं'**: 'एक प्यार का नगमा है, मोजो की रवानी है जिंदगी और कुछ भी नहीं तेरी-मेरी कहानी हैं' यह गाना आज भी सबके जुबान पर रहता होगा। लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसका संगीत तैयार किया और इसे गाया लता मंगेशकर ने था। **4- फिल्म- 'लेकिन' से गाना 'यारा सिली सिली'**: साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म लेकिन का यह गाना काफी सुरीला और सदाबहार गानों में से एक हैं। इस गानें के लिए लता मंगेशकर को बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर के लिए नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।**5- फिल्म- 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से गाना 'मेहंदी लगाके रखना'**: 90 के दशक का यह फिल्म बॉलीवुड के इतिहास का सबसे रोमेंटिक फिल्मों में से एक मानी जाती है। इस फिल्म को और इसके गानों को कोई भूल ही नहीं सकता है।

## अक्षय को बाहों में भर कर खड़ी थी प्रियंका, तभी हो गई इस एक्ट्रेस की एंट्री

मुम्बई। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार की जोड़ी कई एक्ट्रेस के साथ हिट रही है। फिर चाहे रवीना टंडन हो या शिल्पा शेट्टी। अक्षय की जोड़ी उनसे उम्र में खई साल छोटी एक्ट्रेस के साथ भी अच्छी लगती है। उम्र से छोटी एक्ट्रेस में हम नाम लेंगे प्रियंका चोपड़ा, कटरीना कैफ, करीना कपूर आदि। अक्षय कुमार ने पर्दे पर हर तरह के किरदार किए हैं। एक्शन हो या कॉमेडी, देशभक्ती की भावना हो या रोमांस का तड़का हर किरदार को अक्षय ने शानदार तरीके से निभाया हैं। प्रियंका चोपड़ा के साथ उनकी हॉट जोड़ी को लोगों ने काफी पंसद किया। फिल्म अंदाज में प्रियंका चोपड़ा और अक्षय कुमार की हॉट कैमिस्ट्री को देखकर लोग दोनों के दीवाने हो गये थे। कहते हैं दोनों ने कई फिल्में साथ की। फिल्मों की शूटिंग के दौरान उनका अफेयर भी चला था लेकिन अक्षय की पतनी ट्विंकल खनन को जब बात पता चली तो उन्होंने अक्षय को प्रियंका के साथ कोई भी फिल्म करने से रोक दिया। फिल्म ऐतराज में एक बार फिर प्रियंका चोपड़ा और अक्षय कुमार साथ आये। इस फिल्म में प्रियंका का किरदार निगेटिव था। फिल्म में अक्षय कुमार की पतनी का किरदार करीना कपूर खान ने निभाया था। ऐजताज फिल्म में भी अक्षय और प्रियंका के इंटिमेट सीन थे। दोनों की कैमिस्ट्री ने एक बार फिर आग लगा दी। इस दौरान भी कहते हैं कि प्रियंका चोपड़ा और अक्षय कुमार के बीच काफी कुछ चल रहा था। ऐजराज फिल्म के सेट की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं जिसमें अक्षय कुमार और प्रियंका के बीच की रियल लाइफ कैमिस्ट्री को साफ देखा जा सकता हैं। इस तस्वीर में अक्षय कुमार के एक तरफ प्रियंका चोपड़ा है और उनके सीने से लगी हैं तो दूसरी तरफ करीना कपूर खान है जो उनके साथ कंधे के बराबर खड़ी हैं। इस तस्वीर ने उस दौर की याद दिला दी जब अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के अफेयर की खबरों से बॉलीवुड की खबरों का बाजार गर्म रहता था।

## दिशा पाटनी ने रिवीलिंग आउटफिट में फ्लॉन्ट किया परफेक्ट फिगर

मुम्बई। टीवी शो ससुराल सिमर का में अपने काम के लिए जानी जाने वाली दीपिका कक्कड़ ने अभिनय छोड़ दिया है। टेली चक्कर की एक रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री ने शोबिज छोड़ने और अपना सारा ध्यान अपने परिवार और होने वाले बच्चे पर समर्पित करने का फैसला किया है। इस साल की शुरुआत में दीपिका और उनके पति अभिनेता शोएब इब्राहिम ने घोषणा की कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। राम और सीता की महाकाव्य कहानी को ओम राउत की आदिपुरुष में प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें प्रभास को राघव और कृति सेनन को जानकी के रूप में दिखाया जाएगा। लंकेश का किरदार सैफ अली खान निभाएंगे। अब फिल्म की आत्मा कहा जाने वाला फिल्म का मोस्ट अवेटिड गीत- राम सिया राम रिलीज कर दिया गया।

# भारतीय अभिनेता और फ़िल्म निर्देशक भगवान दादा

मुम्बई। भगवान दादा अपनी प्रसिद्ध सामाजिक और हास्य फ़िल्म अलबेला के लिए जाने जाते हैं। हिन्दी फ़िल्मों में नृत्य की एक विशेष शैली की शुरूआत करने वाले भगवान दादा ऐसे अलबेला सितारे थे, जिनसे महानायक अमिताभ बच्चन सहित आज की पीढ़ी तक के कई कलाकार प्रभावित और प्रेरित हुए। भगवान दादा का वास्तविक नाम भगवान आभाजी पालव था। भगवान दादा का जीवन और फ़िल्मी करियर जबरदस्त उतार चढ़ाव से भरा रहा लेकिन यह कलाकार सिनेमा के इतिहास में अपनी ख़ास जगह रखता है। भगवान दादा का जन्म एक मिल के श्रमिक के घर 1 अगस्त, 1913 को हुआ। बचपन से ही उन्हें फ़िल्मों के प्रति आकर्षण था और पढ़ाई के प्रति उन्हें विशेष रुचि नहीं थी। इस कारण उन्हें पिता के कोप का शिकार भी होना पड़ा, लेकिन धुन के पक्के दादा ने तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी और हिंदी सिनेमा के रोमांटिक नायक की पारंपरिक छवि को नया आयाम मिला। शुरू में उन्होंने अपने शरीर पर काफ़ी ध्यान दिया और बदन कसरती बना लिया। इसका फायदा उन्हें आगे मिला। फ़िल्मों में प्रवेश के लिए उन्हें काफ़ी मशक्कत करना पड़ी और अंततः उन्हें 1930 में ब्रेक मिला, जब निर्माता सिराज अली हकीम ने अपनी मूक फ़िल्म बेवफा आशिक में एक कॉमेडियन की भूमिका दी। इसके बाद उन्होंने कई मूक फ़िल्मों में अभिनय किया। भगवान दादा यानी भगवान आभाजी पालव की आंखों में बचपन से फ़िल्मों के रूपहले परदे का सम्मोहन था। उन्होंने अपने जीवन की शुरूआत श्रमिक के रूप में की लेकिन फ़िल्मों के आकर्षण ने उन्हें उनके पसंदीदा स्थल तक पहुंचा दिया। भगवान मूक फ़िल्मों के दौर में ही सिनेमा की दुनिया में आ गए। उन्होंने शुरूआत में छोटी-छोटी भूमिकाएं की। बोलती फ़िल्मों का दौर शुरू होने के साथ उनके करियर में नया मोड़ आया। भगवान दादा के लिए 1940 का दशक काफ़ी अच्छा रहा। इस दशक में उन्होंने कई फ़िल्मों में यादगार भूमिकाएं की। इन फ़िल्मों में बेवफा आशिक, दोस्ती, तुम्हारी कसम, शौकीन आदि शामिल हैं। अभिनय के साथ ही उन्हें फ़िल्मों के निर्माण निर्देशन में भी दिलचस्पी थी। उन्होंने जागृति मिक्स और भगवान आटर्स प्रोडक्शन के बैनर तले कई फ़िल्में बनाई जो समाज के एक वर्ग में विशेष रूप से लोकप्रिय हुई। इन फ़िल्मों में मतलबी, लालच, मतवाले, बदला आदि प्रमुख हैं। दिलचस्प बात यह है कि उनकी अधिकतर फ़िल्में कम बजट की तथा एक्शन फ़िल्में होती थी। इस दौरान भगवान दादा ने अपनी लगन से फ़िल्म निर्माण से जुड़ी अर्जित कर लिया। 1934 में प्रदर्शित हिम्मत-ए-मर्दां उनकी पहली बोलती फ़िल्म थी। 1938 से 1949 के बीच उन्होंने कम बजट वाली कई स्टंट फ़िल्मों एवं एक्शन फ़िल्मों का निर्देशन किया। उन फ़िल्मों को समाज के कामकाजी वर्ग के बीच अच्छी लोकप्रियता मिली। उन फ़िल्मों में दोस्ती, जालान, क्रिमिनल, भेदी बंगला आदि प्रमुख हैं। भगवान दादा की फ़िल्मों में गहरी समझ तथा प्रतिभा को देखते हुए राजकपूर ने उन्हें सामाजिक फ़िल्में बनाने की राय दी। भगवान ने उनकी सलाह को ध्यान में रखते हुए अलबेला फ़िल्म बनाई। इसमें भगवान के अलावा गीता बाली की प्रमुख भूमिका थी। इस फ़िल्म के संगीतकार सी। रामचंद्र थे और उन्होंने ही इसमें चितलकर के नाम से पा?र्श्व गायन भी किया। अलबेला फ़िल्म अपने दौर में सुपर हिट रही और कई स्थानों पर इसने जुबली मनाई। इस फ़िल्म के गीत-संगीत का जादू सिने प्रेमियों के सर चढ़ कर बोला। इसका एक गीत शोला जो भड़के दिल मेरा धड़के।। आज भी खूब पसंद किया जाता है। अलबेला

भगवान दादा ने झमेला और लाबेला बनाई लेकिन दोनों ही फ़िल्में नाकाम रहीं और उनके बुरे दिन शुरू हो गए। कभी सितारों से अपने इशारों पर काम कराने वाले भगवान दादा का करियर एक बार जो फिसला तो फिर फिसलता ही गया। आर्थिक तंगी का यह हाल था कि उन्हें आजीविका के लिए चरित्र भूमिकाएं और बाद में छोटी-मोटी भूमिकाएं करनी पड़ी। बदलते समय के साथ उनके मायानगरी के अधिकतर सहयोगी उनसे दूर होने लगे। सी। रामचंद्र, ओम प्रकाश, राजिन्दर किशन जैसे कुछ ही मित्र थे जो उनके बुरे वक्त में उनसे मिलने जाया करते थे। शोला जो भड़के दिल मेरा धड़के गीत में अपने अदभुत, अनोखी व अद्वितीय डांसिंग स्टेप देने वाले भगवान दादा को आज भी उनकी गलियों में लोग अमिताभ बच्चन ही मानते हैं। भगवान दादा हिंदी सिनेमा जगत के पहले डांसिंग मास्टर थे। अलबेले भगवान दादा शुरू से ही फ़िल्म बनाने का सपना देखते थे। वे मिल में एक लेबर के रूप में काम करते, लेकिन ख्वाब फ़िल्म बनाने के देखते। वे चॉल में भी कुछ न कुछ इंतजाम करके फ़िल्में देख ही लेते थे। थियेटर में स्टॉल में भी फ़िल्म देखने के लिए पैसों की जुगाड़ कर ही लिया करते थे। शुरुआती दौर में मूक फ़िल्मों से मौका मिला। अभिनय के बाद वे ज्यादा से ज्यादा समय सेट पर देते, ताकि बारीकियां समझ पायें। उन्होंने सीखी भी। उन्होंने तय किया कि वह कम बजट की फ़िल्म बनायेंगे। किसी तरह उन्होंने उस वक्त 65 हजार रुपये इकट्ठे किये। उनके डांसिंग स्टेप्स में प्रॉप्स का भी ख़ास ध्यान रखा जाता था। उन्होंने ही पहली बार सिर पर बड़े आकार की टोपी रख कर डांस करने की संस्कृति शुरू की। गीता बाली के साथ उन्होंने कई फ़िल्मों में अभिनय किया। अपने निर्देशन के दौर में उन्होंने 1938 से 1949 तक लगातार लो बजट की फ़िल्मों का निर्माण किया। उनमें स्टंट व एक्शन फ़िल्में भी थीं। वे अपनी फ़िल्मों को अपनी गलियों में भी सभी लोगों को एकत्रित करके दिखाया करते थे। धीरे धीरे उन्होंने चैंबूर में जागृति पिक्स व भगवान आटर्स प्रोडक्शन के रूप में हाउस शुरू किया। राज कपूर ने उनकी काबिलियत को देखते हुए कहा कि भगवान तुम अच्छी और बड़ी फ़िल्म बनाओ। राज कपूर की राय पर भगवान दादा ने गीता बाली अभिनीत फ़िल्म अलबेला का निर्देशन किया। फ़िल्म का गीत शोला जो भड़के दिल मेरा धड़के बेहद लोकप्रिय हुआ। आज भी डांसिंग पार्टी में इस गीत पर युवा थिरकना जरूर पसंद करते हैं। चूंकि भगवान दादा खुद विपरीत परिस्थितियों को झेल चुके थे। उन्होंने कई चुनौतियां व ज़िंदगी की कठिन परिस्थितियों में पहचान पाई थी, लेकिन जाहिर है वह अपनी जमीन या जड़ को नहीं भूल सकते थे। ऐसे में उन्होंने ऐसी कई फ़िल्मों का निर्माण किया, जिसमें कामकाजी वर्ग व मील मजदूरों को फोकस किया गया। 1934 में प्रदर्शित हिम्मत ए मर्दा ऐसी ही फ़िल्मों में से एक थी। यह उनकी पहली बोलती फ़िल्म थी। भगवान दादा से कभी मीलों के मजदूरों के साथ अपने सरोकार नहीं बदले। उन्होंने मीलों के कई होनहार व प्रतिभावान लोगों को यथासंभव अपने फ़िल्म निर्माण में अवसर दिलाये। सुपरस्टार बनने के बाद भी जब भी वे चॉल आते। यहां के लोगों के साथ मजलिस जमाते व जम कर मस्ती किया करते थे। गौरतलब है कि उनकी फ़िल्मों के गीत शाम ढले खिड़की तले तुम सिटी बजाना, शोला जो भड़के आज की पीढ़ी भी गुनगुना पसंद करती हैं। भगवान दादा को ला शब्द से बेहद लगाव रहा। इसलिए उन्होंने अपनी हर फ़िल्म में ला शब्द का इस्तेमाल जरूर किया। यहां तक कि फ़िल्म के गीत लिखते समय भी उन्होंने गीतकार से आग्रह किया कि वह इन बातों को ध्यान में रखें। शोला जो भड़के उसी आधार पर लिखी गयी। अलबेला के बाद झमेला व लाबेला जैसी फ़िल्मों का निर्माण किया। अलबेला उस दौर की सुपरहिट फ़िल्म रही थी। इस फ़िल्म ने जुबली मनाई थी। हिंदी सिनेमा के पहले डांसिंग स्टार भगवान दादा ने अभिनय एवं नृत्य की अनोखी शैली से कॉमेडी को नई परिभाषा दी और उनकी अदाओं को बाद की कई पीढ़ियों के अभिनेताओं ने अपनाया। भगवान दादा ने मूक फ़िल्मों के दौर से अपने अभिनय जीवन की शुरुआत की थी, लेकिन उनके हास्य अभिनय और नृत्य शैली ने अपने दौर में जबरदस्त धूम मचाई। आज के दौर के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी उनकी नृत्य शैली का अनुसरण किया। फ़िल्मों में प्रवेश के लिए उन्हें काफ़ी मशक्कत करना पड़ी और अंततः उन्हें 1930 में ब्रेक मिला, जब निर्माता सिराज अली हकीम ने अपनी मूक फ़िल्म बेवफा आशिक में एक कॉमेडियन की भूमिका दी।

करीब छह दशक लंबे अपने फ़िल्मी जीवन में भगवान दादा ने क़रीब 48 फ़िल्मों का निर्माण या निर्देशन किया, लेकिन बॉम्बेल लैबोरेट्रीज में लगी आग के कारण अलबेला और भागमभाग छोड़कर सभी फ़िल्मों का निगेटिव जल गया और नई पीढ़ी बेहतरीन कृतियों से वंचित रह गई। एक समय बंगला और कई कारों के मालिक भगवान अपनी मित्रमंडली से घिरे रहते थे, पर नाकामी के साथ ही धीरे-धीरे सब छूटने लगा। जीवन के अंतिम दिनों में उन्हें चॉल में रहना पड़ा। अभिनय और नृत्य की नई इबारत लिखने वाला यह कलाकार 4 फ़रवरी 2002 को 89 साल की उम्र में अपना दर्द समेटे हुए बेहद खामोशी से इस दुनिया को विदा कह गया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।